चीनी अधिकारी पीएम मोदी से मिले

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

चीन में भारतीय समुदाय उत्सुक्ता के साथ मिला पीएम मोदी से

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 246 | रायपुर | रविवार 31 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

चीन में भारतीय समुदाय ने पीएम मोदी का स्वागत पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और और 'भारत माता की जय' के नारों से किया गया.

रेड कारपेट पर ग्रैंड वेलकम : चीनी कलाकारों ने दी शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति

7 साल बाद चीन पहुंचे पीएम मोदी

जिनपिंग के साथ 31 अगस्त को पीएम मोदी करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सात वर्षों के बाद पहली बार शनिवार को चीन पहुंचे, जहां वह महत्वपूर्ण एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जापान की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद चीन के तियानजिन पहुंचे, जहां उन्होंने परिवहन, अंतरिक्ष अन्वेषण और व्यापार के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा दिया। प्रधानमंत्री एक सितंबर तक चीन में रहेंगे और उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ महत्वपूर्ण बैठक होगी। दोनों नेताओं के भारत-चीन आर्थिक संबंधों का जायजा लेने तथा संबंधों को और सामान्य बनाने के लिए कदमों पर विचार-विमर्श करने की उम्मीद है।

चीनी महिला संगीतकार ने जताई खुशी, कहा-पीएम मोदी बहुत विनम्र हैं

पीएम मोदी के लिए शास्त्रीय संगीत प्रस्तु करने वाली महिला ने कहा, ÷यह अनुभव बेहद रोमांचक था। मुझे लगता है कि हमने अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति दी। मुझे लगता है प्रधानमंत्री को हमारा भारतीय शास्त्रीय संगीत पसंद आया। यह हमारे लिए सम्मान की बात थी। वह इतने विनम्र व्यक्ति हैं, मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 साल बाद चीन पहुंचे हैं। वह एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर 31 अगस्त यानि रविवार को शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब तियानजिन पहुंचे तो भारतीय समुदाय ने पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और 'वंदे मातरम' व 'भारत माता की जय' के नारों से उनका जोरदार स्वागत किया. यह नजारा भारतीय प्रवासियों की गहरी भावनाओं और जुड़ाव को दिखाता है, जिसने पीएम मोदी की इस यात्रा को और भी खास बना दिया.

पीएम मोदी ने एक्स पर स्वागत का फोटो साझा करते हुए लिखा कि तियानजिन में भारतीय समुदाय ने उन्हें एक विशेष सम्मान दिया. उन्होंने यह भी कहा कि वह शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में विचार-विमर्श और विश्व नेताओं से मिलने को लेकर बेहद उत्सुक हैं. पीएम मोदी और जिनपिंग की पिछली मुलाकात 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान हुई थी. उसी दौरान भारत और चीन ने 3,500 किलोमीटर लंबे एलएसी पर गश्त समझौते पर सहमति बनाई थी, जिससे चार साल लंबे सीमा संघर्ष को सुलझाने में मदद मिली. इस बार की मुलाकात इसी संदर्भ में और महत्वपूर्ण है।

नोएडा में योगी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का दौरा, रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई का लोकार्पण करेंगे

नोएडा एजेंसी।

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज नोएडा के दौरे पर पहुंच रहे हैं। इस दौरान वे सेक्टर-113 हेलीपैड पर दोपहर लगभग 3ञ्40 बजे उतरेंगे। कार्यक्रम के तहत रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री यहां रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा, मुख्यमंत्री नोएडा प्राधिकरण और यमुना प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। इस वीवीआईपी दौरे को देखते हुए, जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जानकारी के अनुसार, नोएडा पुलिस और यातायात विभाग ने सुबह से ही मुख्य मार्गों पर तैनाती शुरू कर दी थी। जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है ताकि बिना जांच कोई भी वाहन कार्यक्रम स्थल के आसपास न पहुंच सके। लगभग 1000 पुलिसकर्मी अलग-अलग इलाकों में तैनात किए गए हैं। यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए डायवर्जन योजना भी लागू की गई है।

त्योहारों में सफर होगा आसान : रेलवे 21 सितंबर से 150 'पूजा स्पेशल' ट्रेनें चलाएगा

नई दिल्ली एजेंसी

इस बार त्योहारों पर घर जाने वाले यात्रियों को ट्रेन टिकट और भीड़ की परेशानी कम होने वाली है। रेलवे बोर्ड ने 21 सितंबर से 30 नवंबर तक 150 पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। इसके लिए बाकायदा नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। इन ट्रेनों के जरिए यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित किया जाएगा और ये ट्रेनें कुल 2,024 फेरे लगाएंगी। रेल मंत्रालय ने हाल ही में त्योहारों के लिए 12,000 स्पेशल ट्रेनों का ऐलान किया था। इनमें से पहली खेप के रूप में 150 ट्रेनों की सूची जारी हुई है। आने वाले दिनों में और स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की जाएगी।

1. दक्षिण मध्य रेलवे = सबसे ज्यादा 48 ट्रेनें, कुल 684 फेरे, मुख्य रूप से हैदराबाद, सिकंदराबाद और विजयवाड़ा से। 2. पूर्व मध्य रेलवे 14 ट्रेनें, कुल 588 फेरे, पटना, गया, दरभंगा और मुज़फ़्फ़रपुर से। 3. पूर्वी रेलवे : 24 ट्रेनें, कुल 198 फेरे, कोलकाता, सियालदह और हावड़ा से। 4. पश्चिम रेलवे : 24 ट्रेनें, कुल 204 फेरे, मुंबई, सूरत और वडोदरा से। 5. दक्षिण रेलवे 10 ट्रेनें, कुल 66 फेरे, चेन्नई, कोयंबटूर और मदुरै से।

पुरी रथ यात्रा के पहिए संसद परिसर में लगाए जाएंगे, लोकसभा अध्यक्ष सहमत

पुरी : एजेंसी

भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की वार्षिक रथ यात्रा के दौरान उपयोग किए जाने वाले तीनों रथों के पवित्र पहिये जल्द ही नई दिल्ली स्थित संसद परिसर में रखे जाएंगे. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के उस प्रस्ताव पर सहमति दे दी है जिसमें पुरी रथ यात्रा के रथों के तीन पहिये (तीनों पवित्र रथों का एक-एक पहिया) संसद परिसर में स्थापित करने का प्रस्ताव दिया था. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद परिसर में रथ के तीन पहिये रखने का श्रीमंदिर प्रशासन का प्रस्ताव लाने के लिए श्रीमंदिर के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी के प्रति आभार व्यक्त किया है. एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद के पाधी ने यह जानकारी दी. श्रीमंदिर के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है. इससे पहले रथ को ओडिशा विधानसभा भवन और राज्य अतिथि गृह में रखा गया था. पाधी ने सुझाव दिया कि दिव्य चक्रों को भारत की विरासत में ओडिशा के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक योगदान के स्थायी प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए. जहां तालध्वज (भगवान बलभद्र का रथ) और दर्पदलन (देवी सुभद्रा का रथ) के विखंडन का कार्य पूरा हो चुका है, वहीं नंदीघोष (भगवान जगन्नाथ का रथ) के विखंडन की प्रक्रिया अभी चल रही है. विखंडन के बाद, पहियों को सुरक्षित रखा जाएगा और बाद में स्थापना के लिए दिल्ली ले जाया जाएगा.

मंदिर के सेवकों ने दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में रथ के तीनों पहिए रखे जाने के फैसले का स्वागत किया है. श्रीमंदिर के देवापति सेवक बिनायक दास महापात्र ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, ÷महाप्रभु के रथ के पहिए संसद भवन परिसर में रखे जाने का फैसला निश्चित रूप से स्वागत योग्य है.÷ अगर महाप्रभु के रथ के पहिये वहां रखे जाएं, तो जगन्नाथ संस्कृति का और अधिक प्रचार-प्रसार होगा।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पेंशन के लिए किया अप्लाई, राजस्थान विधानसभा में दिया आवेदन

नई दिल्ली. एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा में पेंशन के लिए आवेदन किया है. धनखड़ 1993 में कांग्रेस के टिकट पर अजमेर जिले की किशनगढ़ सीट से विधायक चुने गए थे. विधायक रहने के नाते अब उन्हें विधानसभा से पेंशन का अधिकार है. धनखड़ इस समय 74 वर्ष के हैं. नियमों के अनुसार उन्हें राजस्थान विधानसभा से करीब 42 हजार रुपये मासिक पेंशन मिलेगी. राजस्थान में नेताओं के लिए दोहरी और तिहरी पेंशन की व्यवस्था है. यानी, यदि कोई व्यक्ति सांसद और विधायक दोनों रह चुका है तो उसे दोनों पदों की पेंशन का लाभ मिलता है. यही कारण है कि कई पूर्व नेता एक साथ अलग-अलग पदों की पेंशन उठाते हैं।

जापान,द. कोरिया के सफल विदेश दौरे से वापस लौटे मुख्यमंत्री साय

संवाददाता लोकशक्ति।

अपनी आठ दिन के जापान और दक्षिण कोरिया के विदेश दौरे के बाद आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय वापस रायपुर लौटे हैं. श्री साय के वापस लौटने पर आज एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया. छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कर्मा और पंथी नृत्यों से पूरा एयरपोर्ट परिसर लगभग एक घंटे तक सराबोर रहा. लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने मुख्यमंत्री श्री साय की लोकप्रियता और उनके विदेश दौरे की सफलता को स्वयं ही बयां कर दिया. मुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छों से लेकर गजमाला तक से स्वागत किया गया. एयरपोर्ट के निकास द्वार से मीडिया गैलेरी तक लगभग 100 मीटर की दूरी तय करने में श्री साय को लगभग 15 मिनट लगे. इस दौरान लोगों ने पुष्प वर्षा से भी श्री साय का स्वागत किया. बाद में मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित किया और इस भव्य स्वागत के लिए सभी का आभार जताया. मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान और दक्षिण कोरिया दोनों ही देशों में बड़ा भारतीय समुदाय बसा हुआ है और हमारे छत्तीसगढ़ के लोग भी वहां पर व्यापारिक कार्यों में लगे हुए हैं. उनसे मिलकर मुझे बहुत अच्छा महसूस हुआ और यह लगा ही नहीं कि हम परदेश में हैं. उन्होंने कहा कि हमारे उद्यमी, हमारे कारोबारी पूरी दुनिया में फैले हुए हैं और भारत भूमि का नाम हर तरफरोशन कर रहे हैं।

विदेश | क्यों बिगड़े ट्रंप-मोदी के रिश्ते?

ट्रंप ने भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए अपनी यात्रा रद्द कर दी : रिपोर्ट

न्यूयॉर्क एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल नवंबर में भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए अपनी यात्रा रद्द कर दी है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच रिश्तों में पिछले कुछ महीनों में तनाव बढ़ा है, जिसके चलते ट्रंप ने भारत आने का इरादा छोड़ दिया। क्वाड यानी क्वाड्रिलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। यह समूह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए काम करता है। भारत इस साल नवंबर में नई दिल्ली में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाला है, जिसमें चारों देशों के नेता हिस्सा लेने वाले थे। **क्यों बिगड़े ट्रंप-मोदी के रिश्ते?** न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट, जिसकी हेडलाइन है 'द नोबेल प्राइज एंड अ टेस्टी फोन कॉलः हाउ द ट्रंप-मोदी रिलेशनशिप अनरैवेल्ड', बताती है कि ट्रंप और मोदी के बीच रिश्तों में दरार की शुरुआत मई में भारत-पाकिस्तान के बीच 4 दिन के सैन्य तनाव को लेकर हुई। ट्रंप ने बार-बार दावा किया कि उन्होंने इस तनाव को खत्म करने में अहम भूमिका निभाई, लेकिन भारत ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, 17 जून को ट्रंप और मोदी के बीच 35 मिनट की फोन कॉल हुई, जब ट्रंप कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन से वॉशिंगटन लौट रहे थे। इस कॉल में ट्रंप ने फिर से दावा किया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान तनाव को खत्म करवाया और यह भी कहा कि पाकिस्तान उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने वाला है। ट्रंप ने इशारों-इशारों में मोदी से भी अपने लिए नोबेल पुरस्कार की सिफारिश करने को कहा। मोदी ने इस बात पर नाराजगी जताई और साफ कहा कि इस तनाव को खत्म करने में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी। भारत और पाकिस्तान ने अपनी सेनाओं के बीच मौजूदा संचार चैनलों के जरिए सीधे बातचीत करके सीजफायर किया था, और यह पहल पाकिस्तान की ओर से शुरू हुई थी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी कनाडा से एक वीडियो मैसेज में कहा था कि मोदी ने ट्रंप को स्पष्ट कर दिया कि न तो भारत-पाक तनाव में अमेरिका की कोई मध्यस्थता थी और न ही भारत ने कोई व्यापार सौदा अमेरिका के साथ किया।

मोदी को राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फोन किया, यूक्रेन के हालिया घटनाक्रम पर हुई बात

नई दिल्ली : एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फोन किया और यूक्रेन से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ये जानकारी दी है। PMO ने बताया, ÷प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के साथ टेलीफोन पर बातचीत की।

राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने यूक्रेन से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की का धन्यवाद किया और संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान तथा शांति की शीघ्र बहाली के प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ और निरंतर रुख की पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने इस संबंध में हर संभव सहयोग देने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।÷

जेलेंस्की ने एक्स हैंडल पर कही ये बात जेलेंस्की ने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा, ÷मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। मैंने उन्हें वाशिंगटन में राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ हुई बातचीत के बारे में बताया, जिसमें यूरोपीय नेताओं ने भी हिस्सा लिया। यह एक उपयोगी और महत्वपूर्ण बातचीत थी, जिसमें साझेदारों के बीच वास्तविक शांति कैसे प्राप्त की जाए, इस पर एक साझा दृष्टिकोण सामने आया। यूक्रेन ने रूस के प्रमुख के साथ बैठक के लिए अपनी तत्परता दोहराई। लगभग दो हफ्ते बीत चुके हैं, और इस दौरान, जब रूस को कूटनीति की तैयारी करनी चाहिए थी, मास्को ने कोई सकारात्मक संकेत नहीं दिया है - केवल नागरिक ठिकानों पर निंदनीय हमले किए हैं और हमारे दर्जनों लोगों को मार डाला है। मैं प्रधानमंत्री को पीड़ितों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति उनकी संवेदना के लिए धन्यवाद देता हूं।÷ जेलेंस्की ने कहा, ÷शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन से पहले हमने अपनी स्थिति पर सहमति जताई। इस युद्ध का अंत तत्काल युद्धविराम और आवश्यक शांति से होना चाहिए। यह स्थिति सभी समझते हैं और इसका समर्थन करते हैं। जब हमारे शहर और समुदाय लगातार गोलाबारी की चपेट में हैं, तो शांति की सार्थक बात करना असंभव है। भारत शिखर सम्मेलन से इतर होने वाली बैठकों के दौरान आवश्यक प्रयास करने और रूस तथा अन्य नेताओं को उचित संकेत देने के लिए तैयार है। धन्यवाद। हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों, यात्राओं के आदान-प्रदान की तैयारियों और संयुक्त अंतर-सरकारी आयोग की बैठक के आयोजन पर भी चर्चा की। इसमें ऐसी क्षमताएं हैं जिन्हें हम साकार कर सकते हैं। मुझे निकट भविष्य में प्रधानमंत्री से मिलकर खुशी होगी।÷

पीएम मोदी ने भी एक्स हैंडल पर दी जानकारी

पीएम मोदी ने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ÷राष्ट्रपति जेलेंस्की को आज फोन पर बात करने के लिए धन्यवाद। हमने चल रहे संघर्ष, उसके मानवीय पहलू और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत इस दिशा में सभी प्रयासों को पूर्ण समर्थन देता है।÷

बिहार में डबल अलर्ट : आतंकी घुसपैठ के बाद अब पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पटना एजेंसी।

बिहार में तीन पाकिस्तानी आतंकियों की घुसपैठ के अलर्ट के ठीक एक दिन बाद, राजधानी पटना के सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिससे पूरे प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। एक अज्ञात ईमेल के जरिए यह धमकी दी गई, जिसमें कोर्ट परिसर में 4 आरडीएक्स विस्फोट करने की चेतावनी दी गई है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद ही कोर्ट में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में पूरे परिसर को खाली करा लिया गया। सूचना मिलते ही जज, वकील और अन्य सभी कर्मचारी तुरंत कोर्ट से बाहर निकल गए। मौके पर भारी पुलिस बल और बम निरोधक दस्ता पहुंचकर जांच में जुट गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, गुरुवार को भेजे गए इस ईमेल में साफ तौर पर लिखा गया था कि 29 अगस्त को पटना सिविल कोर्ट में चार शक्तिशाली ऋछङ्ग ढ्ढश्वष्ठ ब्लास्ट किए जाएंगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार ने तुरंत सभी को सूचित किया, जिसके बाद लोक अभियोजक राकेश कुमार ने भी सभी अधिवक्ताओं को अदालत परिसर से बाहर निकलने का निर्देश दिया।

यह बम की धमकी ऐसे समय में आई है जब बिहार पहले से ही आतंकी हमले की आशंका को लेकर हाई अलर्ट पर है। गुरुवार को ही खुफिया एजेंसियों ने नेपाल के रास्ते जैश-ए-मोहम्मद के तीन पाकिस्तानी आतंकियों के बिहार में घुसने का इनपुट दिया था। इसके बाद पूरे राज्य में अलर्ट जारी करते हुए आतंकियों की तस्वीरें भी सार्वजनिक की गई थीं।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

सहकारिता आयुक्त श्री कुलदीप शर्मा ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक जगदलपुर का किया औचक निरीक्षण

उपस्थित खातेदारों एवं हितग्राहियों से चर्चा कर बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की ली जानकारी

10 हितग्राहियों को ए.टी.एम. कार्ड प्रदान कर डिजिटल लेनदेन के लिए किया प्रोत्साहित

रायपुर। उपस्थित खातेदारों एवं हितग्राहियों से चर्चा कर बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की ली जानकारी सहकारिता विभाग के आयुक्त श्री कुलदीप शर्मा ने आज जगदलपुर प्रवास के दौरान जिला सहकारी केंद्रीय बैंक का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान बैंक में उपस्थित खातेदारों एवं हितग्राहियों से चर्चा कर बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। श्री शर्मा ने इस मौके पर 10 हितग्राहियों को ए.टी.एम. कार्ड प्रदान कर उन्हें डिजिटल लेनदेन हेतु प्रोत्साहित किया। आयुक्त श्री शर्मा ने ÷सहकार से समृद्धि÷ अभियान के अंतर्गत ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश भी दिया।

निरीक्षण उपरांत श्री शर्मा ने अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में पैक्स कम्प्यूटराईजेशन, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की स्थापना, कॉमन सर्विस सेंटर की कार्यप्रगति, माइक्रो एटीएम से ट्रांजेक्शन की स्थिति, नवीन दुग्ध, मत्स्य, महिला, बहुउद्देशीय समितियों के गठन, कृषक उत्पादक समिति की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त श्री शर्मा ने इसी प्रकार सहकारी संस्थाओं का अंकेक्षण एवं शुल्क वसूली, परिसमापनाधीन समितियों के अंतिम निराकरण की स्थिति तथा मुख्यालय से प्राप्त शिकायतों के प्रतिवेदन की स्थिति की समीक्षा करते हुए सरकार की मंशानुरूप ÷सहकार से समृद्धि÷ अभियान के लक्ष्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इस अवसर पर बस्तर संभाग के संयुक्त आयुक्त सहकारिता श्री बिनोद कुमार बुनकर सहित बस्तर और कांकेर जिले के उप आयुक्त, सहायक आयुक्त और जिला कोण्डागांव, दंतेवाड़ा, अपेक्स बैंक के प्रबंधक श्री अभिषेक तिवारी तथा संबंधित जिला स्थित बैंको के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अतिरिक्त प्रबंधक व नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

आयुक्त सहकारिता श्री कुलदीप शर्मा ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक का किया निरीक्षण

सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं श्री कुलदीप शर्मा ने शुक्रवार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शाखा जगदलपुर में उपस्थित खातेदारों एवं हितग्राहियों से संवाद कर बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार से जानकारी ली और 10 हितग्राहियों को एटीएम कार्ड प्रदान कर उन्हें डिजिटल लेनदेन हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आयुक्त सहकारिता ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया। निरीक्षण उपरांत आयुक्त सहकारिता श्री शर्मा ने विभागीय समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने समीक्षा के दौरान मुख्य रूप से 'सहकार से समृद्धि' अभियान के अंतर्गत पैक्स कम्प्यूटराईजेशन, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र स्थापना, कॉमन सर्विस सेंटर की कार्य प्रगति, माइक्रो एटीएम ट्रांजेक्शन की स्थिति, नवीन समितियों का गठन, बहुउद्देशीय समितियां, कृषक उत्पादक समिति की प्रगति की जानकारी ली।

भीड़ एवं आपातकालीन स्थिति को लेकर डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन में किया गया मॉक ड्रील

राजनांदगांव/डोंगरगढ़। आपातकालीन स्थिति में भीड़ को नियत्रंण करने व पीड़ितों को तत्काल स्वास्थय सुविधा उपलब्ध कराने हेतु किया गया मॉकड्रील। मॉकडील में एसडीओपी, थाना प्रभारी, आर0पी0एफ0, जी0आर0पी0एफ0, स्टेशन मास्टर डोंगरगढ़ एवं बीडीएस टीम व डॉ0 सहित अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी हुये शामिल। स्टेशन में भीड़ की स्थिति में जेब कतरों, चौन स्केचनरों एवं अन्य संदिग्धों पर विशेष निगरानी रखने दिया हिदायत। डोंगरगढ़ में स्थित माँ बम्लेश्वरी देवी जी के मंदिर में हर नवरात्र में देश-विदेश से श्रद्धालुओं द्वारा ज्योति कलश स्थापना करवाते है व नवरात्र में नौ दिन तक मेला का आयोजन किया जाता है जिसमें देश-विदेश से दर्शनार्थीगण माँ बम्लेश्वरी देवी के दर्शन एवं मेला घुमने अपने-अपने विभिन्न साधनों के माध्यम से डोंगरगढ़ पंहूचते है। जिसमें ट्रेन के साधन से भी अत्यधिक मात्रा में दर्शनार्थीगण डोंगरगढ़ दर्शन एवं घुमने के लिये आते है, जिससे रेलवे स्टेशन में काफी भीड़ की स्थिति बनी रहती है। जिसे ध्यान में रखते हुये श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक महोदय राजनांदगांव रेंज राजनांदगांव अभिषेक शांडिल्य, पुलिस अधीक्षक महोदय राजनांदगांव श्री मोहित गर्ग एवं श्रीमान अति0 पुलिस अधीक्षक महोदय राहुल देव शर्मा के आदेशानुसार आज दिनांक- 28.08.2025 को रेलवे स्टेशन कालकापारा डोंगरगढ़ में एसडीओपी महोदय डोंगरगढ़ श्री आशिष कुंजाम के नेतृत्व में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ उपेन्द्र कुमार शाह आर0पी0एफ0 निरीक्षक प्रशांत अल्डक, जी0आर0पी0 निरीक्षक श्रीमती दया कुर्रे, स्टेशन मास्टर डोंगरगढ़ गुरूचरण सेट्ठी, डीटीआई हरिहर राणा, डॉ0 योगेश कन्नौजे सीएचसी डोंगरगढ़, बीडीएस टीम राजनांदगांव, फायर ब्रिगेड एवं अन्य विभाग के अधि0/कर्मचारी मिलकर समन्वय स्थापित कर नवरात्रि पर्व एवं अन्य समय में आपातकालीन की स्थिति व भीड़ को नियत्रंण करने , आगजनी एवं घायल पीड़ितों को तत्काल स्वास्थय सुविधा उपलब्ध कराने का मॉक ड्रील किया गया।

केशकाल वनमंडल के जंगल से अवैध परिवहन करते सागौन की लकड़ी जब्त

पुलिस और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन विभाग द्वारा वनों की अवैध कटाई व तस्करी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में केशकाल वनमंडल के परिक्षेत्र बड़ेराजपुर अंतर्गत परिसर विश्रामपुरी में 28 अगस्त को पुलिस विभाग की टीम द्वारा गश्ती के दौरान जंगल से अवैध रूप से कटा हुआ सागौन लट्ठा पाया गया। बरामद लकड़ी को वाहन क्रमांक सीजी 03-9778 में थाना विश्रामपुरी लाकर वन विभाग को सूचना दी गई।वनकर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर लकड़ी की नापजोख एवं जब्ती की कार्यवाही की। इस संबंध में अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जप्त किए गए कुल 11 नग सागौन लट्ठा (1.553 घन मीटर) को रक्षक विश्रामपुरी परिसर के सुपुर्द किया गया। उक्त लकड़ी को पुलिस विभाग के वाहन से ही कार्टिंग चालान के तहत उपभोक्ता डिपो केशकाल के लिए रवाना किया गया।

इसी दौरान केशकाल परिक्षेत्र अंतर्गत कोहकामेटा के पास वनकर्मचारियों ने वाहनों की आकस्मिक जांच की। वाहन को रोके जाने पर चालक घबराकर मौके से फरार हो गया। जब्त सागौन को सुरक्षित रूप से केशकाल वन डिपो में जमा कराकर कार्यवाही की जा रही है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में स्थापित होगी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 25 फीट से ऊंची भव्य प्रतिमा

रायपुर । छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नवा रायपुर स्थित नवनिर्मित विधानसभा भवन परिसर में भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 25 फीट से ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित करने हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की अनुशंसा की है।

डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री से लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में शीघ्र आवश्यक निर्देश जारी करने का भी आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने गठन के 25 वर्षों की यात्रा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। संविधान में निहित स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों से प्रेरित होकर यह राज्य समावेशी विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित विधानसभा परिसर में प्रस्तावित डॉ. अंबेडकर की यह भव्य प्रतिमा न केवल संविधान निर्माता को यथोचित सम्मान अर्पित करेगी, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए सामाजिक समता, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रेरणा का प्रतीक भी बनेगी।उल्लेखनीय है कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर 12 दिसंबर 1945 को रायपुर आए थे और वर्तमान माधवराव सप्रे शाला परिसर (तात्कालीन लॉरी स्कूल) में ऐतिहासिक जनसभा को संबोधित किया था। इस यात्रा ने छत्तीसगढ़ की धरती को उनके विचारों और व्यक्तित्व से सशक्त बनाया।

महानदी के उद्गम स्थल गणेश घाट सिहावा में मनाया गया ऋषि पंचमी महोत्सव

नगरी । गुरुवार ऋषि पंचमी के पावन अवसर पर महानदी के उद्गम स्थल सिहावा में पारंपरिक श्रद्धा और धार्मिक उल्लास के साथ ऋषि पंचमी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस स्थल में माता महामाई विराजित है। यहां बरसो पहले एक बाबा का आगमन हुआ जो लोगो को प्राचीन तन्त्र मन्त्र की विधाएं सिखाते थे। जिनका नाम कोई नही जानता था। उनकी लगन शीलता के कारण सिहावा की आराध्य देवी माता भुरसी मावली ने उन्हें गणेश घाट में विधा सीखाने के लिये स्थान प्रदान किया। बरसो तक उनके द्वारा प्राचीन विधाएं ,जड़ी बूटियों की शिक्षा दी गई।लोगो ने उन्हें औघट बाबा के नाम से पुकारा।ऋषि पंचमी मनाने की यह परंपरा बरसो पुरानी है। इस धार्मिक स्थल की महत्ता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि सिहावा ऋषि-मुनियों और देवी-देवताओं की तपोभूमि माना जाता है। साथ ही, यह स्थान महानदी के उद्गम स्थल के रूप में भी लोगों की आस्था का केंद्र है, जिससे इसकी धार्मिक गरिमा और अधिक बढ़ जाती है।गुरुवार को कार्यक्रम के शुरुआत में सिहावा गढ़ की देवी देवताओं, ऋषि मुनियों की परम्परानुसार परघोनी, स्वागत सम्मान किया गया।गुरु भाईयो ने क्रम वार होकर गुरु महाराज से आशीर्वाद लिया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गुरुभाई व आमन्त्रित जनो ने गुरु आश्रम में पूजा अर्चना कर औघट बाबा व अन्य देवी देवताओं को माथा टेका व प्राचीन ऋषि परम्परा का निर्वहन करते हुए दुर्लभ जड़ी बूटियों का सेवन किया। सिहावा विधायक अम्बिका मरकाम ने भी अपनी उपस्थिति प्रदान की।उन्होंने ऋषि पंचमी की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि प्राचीन काल से ही ऋषि मुनिओ ने दुर्लभ जड़ी बुटीओ की जानकारी प्रदान की है आधुनिक काल मे इसे सहेजने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में ऋषि पंचमी समिति के अध्यक्ष बलदेव निषाद, ग्राम पटेल राजेश यदु, पुजारी मानसिंह पटेल, प्रीतम पटेल,नेहरू पटेल,संजय सारथी,ज्ञान सागर पटेल,नारायण दास वैष्णव,रामाराव बघेल, हरचंद निषाद ,भरत निर्मलकर, राम सिंह पटेल,दीनदयाल गन्धर्व, ललित निर्मलकर, अमृत साहू,धनंजय साहू,नरेंद्र पटेल,अनिल पटेल,सुनील सिंहसार, रमधर पटेल,महेंद्र पटेल,कृष्णा पटेल,कौशल साहू,कौशल पटेल,गोलू निषाद,छोटू पटेल,मन्नू निषाद,राकेश निर्मलकर ,कलम सिंह पवार,सचिन भंसाली,गगन नाहटा,अंजोर निषाद,सुनील यादव,रवि भट्ट,हनी कश्यप,प्रवीण गुप्ता, बल्लू सेन,शेलेन्द्र धेनुसेवक,रिंकू निषाद,केशव पटेल,ऋषभ यदु,पिंकी यदु,रमेश पटेल,लखन साहू।

मदिरा के अवैध विक्रय और परिवहन पर नियंत्रण करना सुनिश्चित करें : आबकारी मंत्री श्री देवांगन

मंत्री ने आबकारी विभाग के 04 नवीन साफ्टवेयर लांच किया

आबकारी मंत्री श्री देवांगन ने विभागीय काम-काज की समीक्षा की

रायपुर। वाणिज्यिक कर (आबकारी) मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने आज यहां नवा रायपुर स्थित आबकारी आयुक्त के सभाकक्ष में आबकारी विभाग के काम-काज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आबकारी विभाग के चार नवीन साफ्टवेयर लांच किया, इनमें आईओएस मनपसंद मोबाईल एप्लीकेशन, सैलरी केलकुलेशन वेब एप्लीकेशन , सेव सुविधा मोबाईल एप्लीकेशन, टोल फ्री एप्लीकेशन शामिल है। आबकरी मंत्री ने बैठक में मंदिरा दुकानों की व्यवस्था सहित लायसेंस व्यवस्था, मार्केटिंग कार्पोरेशन, विभागीय संरचना प्रदेश में बार-क्लब की जानकारी, मंदिरा की गुणवत्ता सहित आबकारी राजस्व के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छत्तीसगढ़ में अन्य राज्यों से मदिरा के परिवहन एवं ब्रिकी पर अंकुश लगाए और ऐसे व्यक्तियों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करें। संभाग में कार्यरत उड़नदस्ता की टीम निरंतर निगरानी कर रहें। मदिरा के विक्रय में ओवर रेट की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए और ग्राहकों को उनके पसंद की मदिरा उपलब्ध हो। श्री देवांगन ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में बाहर की मदिरा की ब्रिकी न हो इस पर अधिकारी विशेष ध्यान दे। आबकारी मंत्री श्री देवांगन ने विभागीय गतिविधियों की समीक्षा एवं राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कार्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अवैध मदिरा एवं मादक पदार्थों के निर्माण, संग्रहण, परिवहन और बिक्री पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए और अंतर्राज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी थाना एवं जांच चौकियों में सतर्कता बढ़ाने और विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया गया। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप मदिरा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री नहीं हो। बैठक में अधिकरियों को निर्देशित किया कि मदिरों दुकानों में निर्धारित दर से अधिक दर पर ब्रिकी करते पाए जाने पर सक्त कार्यवाही की जाएगी। आबकारी विभाग के सचिव श्रीमती आर.शंगीता ने विभागीय गतिविधियों की प्रस्तुतिकरण के जरिए विस्तार से जानकारी दी। केबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने होटल एवं ढाबों में मंदिरा की अवैध बिक्री न हो इस पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। आबकारी मंत्री ने फार्म हाउसों में मंदिरा के अवैध संव्यवहार पर रोक लगाने के निर्देश दिए। इसके आलावा उन्होंने मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप मंदिरा दुकानों में सीसी टीव्ही कैमरा चालू रखने के निर्देश दिए, जिससे पारदर्शिता बनी रही। बैठक में आबकारी विभाग के विशेष सचिव देवेंद्र कुमार भारद्वाज, अपर आयुक्त श्री आशीष श्रीवास्तव, श्री पीएल साहू, श्री जी.के भगत, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेज कॉरपोरेशन सहित विभाग के उपायुक्त, सहायक आयुक्त एवं जिला आबकारी अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस एवं न्यायालय के संयुक्त तत्वावधान में एनडीपीएस एक्ट की विवेचना विषय पर कार्यशाला का आयोजन

रायपुर। राजधानी में को न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइन रायपुर के सभागार में गुरूवार को पुलिस एवं न्यायालय के संयुक्त तत्वावधान में एनडीपीएस एक्ट की विवेचना (इनवेस्टीगेशन ऑफ एनडीपीएस एक्ट केस) संबंधी विशेष मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को नशे के खिलाफहोने वाली कार्यवाही को अधिक प्रभावी, कानूनी रूप से सुदृढ़ और त्रुटिरहित बनाने पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रायपुर बी.पी. वर्मा मुख्य अतिथि रहे। साथ ही विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस/एससी-एसटी एक्ट) पंकज कुमार सिन्हा, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश किरण थवाईत, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गिरीश मण्डावी तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आनंद कुमार सिंह भी मंचासीन रहे। पुलिस की ओर से पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह सहित जिले के सभी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, नगर/उप पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारी, विवेचक एवं प्र.आर. माल मोहर्रिर मिलाकर कुल 150 अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। नशा मुक्त रायपुर का संकल्प अपने संबोधन में एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि रायपुर पुलिस नशे को जड़ से समाप्त करने के लिए संकल्पित है। यह केवल अभियान नहीं बल्कि दृढ़ निश्चय है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विवेचना (इनवेस्टीगेशन) में प्रक्रियात्मक त्रुटियां न हों, ताकि अधिक से अधिक दोषियों को सजा दिलाई जा सके। न्यायालय का दृष्टिकोण इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बी.पी. वर्मा ने कहा कि एन.डी.पी.एस. एक्ट के प्रकरणों में सख्ती और सटीकता दोनों जरूरी हैं। छोटी-छोटी प्रक्रियात्मक गलतियों के कारण कई मामलों में दोषसिद्धि प्रभावित होती है। उन्होंने जोर दिया कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस व न्यायालय की ही जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।प्रावधानों और त्रुटियों पर विस्तृत चर्चा विशेष न्यायाधीश पंकज कुमार सिन्हा ने एनडीपीएस एक्ट की धाराओं, प्रावधानों और उनकी कानूनी प्रक्रिया का विस्तारपूर्वक उल्लेख किया। उन्होंने पुलिस विवेचना में होने वाली सामान्य त्रुटियों और उनसे बचने के उपाय बताए। वहीं, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश किरण थवाईत ने एनडीपीएस एक्ट के नियमों व धाराओं पर गहन चर्चा की और उपस्थित अधिकारियों को विवेचना की बारीकियों से अवगत कराया।

चक्रधर समारोह 2025 : शास्त्रीय नृत्य और गायन की मनमोहक प्रस्तुतियों से सजी संध्या

रायपुर। रायगढ़ में जारी 40वें चक्रधर समारोह के दूसरे दिन देशभर के विख्यात कलाकारों ने अपनी अद्भुत प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में शास्त्रीय गायन, भारतनाट्यम, कथक, ओडिसी और लोकगायन की विविध छटा बिखरी। दिल्ली से आए प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित उदय कुमार मल्लिक ने दरभंगा घराने की परंपरा से जुड़ी ध्रुपद शैली का अनुपम गायन प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। उनकी मधुर और गूंजती तान ने संगीत प्रेमियों को रसविभोर कर दिया। भिलाई की नृत्यांगना एवं भरतनाट्यम गुरु डॉ. राखी रॉय और उनकी टीम ने भरतनाट्यम की पारंपरिक गरिमा, गहन अभिव्यक्ति और अद्भुत लय-ताल का संगम प्रस्तुत किया। भगवान शिव के नटराज स्वरूप, अर्धनारीश्वर और मां जननी पर आधारित उनकी रचनाओं ने दर्शकों का मन मोह लिया। बिलासपुर की प्रख्यात कथक नृत्यांगना श्रीमती प्रियंका सलूजा की भाव-भंगिमाएं, लय-ताल की सटीकता और भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोकसंगीत की धारा को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय लोकगायक श्री सुनील मानिकपुरी ने छत्तीसगढ़ी और झारखंडी लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। रायगढ़ की युवा नृत्यांगना सुश्री राजनंदनी पटनायक और उनकी साथी पूनम गुप्ता ने ओडिसी नृत्य की भावपूर्ण और आकर्षक प्रस्तुति दी। वहीं रायगढ़ की कथक नृत्यांगना पूजा जैन और उनकी टीम ने जयपुर घराने के तोड़े-टुकड़े, लखनऊ घराने का तराना और ठुमरी प्रस्तुत कर वातावरण को सुरमय बना दिया।शास्त्रीय संगीत और नृत्य की इन विविध प्रस्तुतियों ने चक्रधर समारोह की गरिमा को और अधिक ऊँचाई प्रदान की तथा दर्शकों को अविस्मरणीय अनुभव कराया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों के लिए विभिन्न सत्रों का आयोजन

विशेषज्ञों एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने राज्य की प्रतिभाओं को डाइट, फिटनेस, मेंटल हेल्थ, इन्जरी रिकवरी, पोषण और करियर से जुड़े मंत्र दिए

रायपुर। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस पर राज्य शासन के खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए आज खेल से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर कई सत्रों का आयोजन किया गया। रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित विभिन्न इंटर-एक्टिव सत्रों में विशेषज्ञों एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने राज्य की प्रतिभाओं को डाइट, फिटनेस, मेंटल हेल्थ, इन्जरी रिकवरी, पोषण और करियर से जुड़े मंत्र दिए। उन्होंने खिलाड़ियों के सवालों के जवाब भी दिए। खेल और फिटनेस के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने स्पोर्ट्स इन्जरी, मेंटल हेल्थ, पोषण और खिलाड़ियों के लिए करियर के बारे में राज्य के खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हॉकी खिलाड़ी श्री मृणाल चौबे, बैडमिंटन खिलाड़ी श्री श्रेयांश जायसवाल, फुटबाल खिलाड़ी सुश्री किरण पिस्दा तथा आईपीएल क्रिकेटर श्री शशांक सिंह के साथ विशेष सत्र में खिलाड़ियों ने सवाल-जवाब के माध्यम से अपनी शंकाओं और जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न तरह की चुनौतियों से निपटने के गुर भी जाने। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ चर्चा के विशेष सत्र में आईपीएल क्रिकेटर श्री शशांक सिंह ने कहा कि मैदान में अपना सब कुछ झोंक देना चाहिए क्योंकि खिलाड़ी कुछ खोता नहीं है। वह या तो जीतता है या सीखता है। वहीं अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री मृणाल चौबे ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेलों में अपार संभावनाएं हैं। यदि हम अच्छे से ध्यान दें तो यहां से कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी निकल सकते हैं। राज्य के कई शहरों में विश्व स्तरीय सुविधाएं भी मौजूद हैं।

जैव विविधता मानव जीवन के लिए अमूल्य वरदान : डॉ. एम.एल. नायक

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की छत्तीसगढ़ शाखा द्वारा कार्यशाला संपन्न

रायपुर। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान छत्तीसगढ़ शाखा द्वारा आज राजधानी रायपुर स्थित सर्किट हाउस में छत्तीसगढ़ की जैव विविधता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला में प्रख्यात विषय विशेषज्ञ,पूर्व महानिदेशक विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान एवं सदस्य राज्य जैव विविधता सरक्षण बोर्ड डॉ एम.एल.नायक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जैव विविधता मानव जीवन के लिए अमूल्य वरदान है। हमारा छत्तीसगढ़ जैव विविधता से समृद्ध है। आज इस समृद्ध जैव विविधता का सरंक्षण जरूरी है।

डॉ. नायक ने कहा कि जैव विविधतता से तात्पर्य पृथ्वी पर जीन,स्पिसिज व इकोसिस्टम स्तर की विभिन्न प्रकार की विविधताओं की उपलब्धतता से है। भारत सरकार द्वारा जैव विविधतता अधिनियम 2002 में पारित किया गया। केंद्र स्तर के जैव विविधतता नियम भारत सरकार ने वर्ष 2004 में बनाये हैं। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने जैव विविधता नियम वर्ष 2015 में जारी किया।

डॉ. नायक ने कहा कि भारत की भूमि सम्पूर्ण पृथ्वी का मात्र 2 प्रतिशत है जिसमें जैव विविधता की उपलब्धतता 7 प्रतिशत है। मानव जीवन का अस्तित्व इन्हीं जैव विविधतताओं की उपलब्धता से दृढ़ता से जुड़ा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के संदर्भ में बताया कि यहां 40 प्रतिशत भू-भाग पर वन हैं और राज्य विभिन्न प्रकार की समृद्ध जैव विविधताओं से परिपूर्ण है। उपलब्ध ऑकड़ों के अनुमान से राज्य में 3000 फूल वाले पौधे, 36 स्तनधारी जीव, 383 पक्षी, 73 सरीसृप प्राणी, 173 तितलियों की प्रजाति पायी जाती हैं। बहुत से जैव विविधतायें विलुप्त होने के कगार पर है एवं उनके संरक्षण के त्वरित व गंभीर प्रशासनिक प्रयास की आवश्यकता है।

डॉ नायक ने कहा अभी भी छत्तीसगढ़ में पेड़ पौधों की कई प्रजातियां ऐसी हैं जिनका खोज किया जाना बाकी है। उन्होंने बताया कि उन्हें कांगेर वैली में लंबे समय तक जैव विविधता पर कार्य करने का अवसर मिला। इस दौरान उन्हें कांगेर धारा के पास एक अनूठी प्रजाति के पीपल का वृक्ष मिला। डॉ नायक ने जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ में खोजे गए इस नई प्रजाति के पीपल का नामकरण उनके नाम पर फाइकस नायकाई किया गया है। आईआईपीए छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष ने डॉ. सुयोग्य कुमार मिश्रा सहित सभी सदस्यों ने डॉ नायक को बधाई देते हुए इस खोज को छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण बताया। कार्यक्रम के संबंध में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान छत्तीसगढ़ शाखा अध्यक्ष श्री सुयोग्य कुमार मिश्रा ने बताया कि राज्य का लोक प्रशासन संस्थान माननीय उप राष्ट्रपति जी की अध्यक्षता एवं माननीय मंत्री कार्मिक मंत्रालय की सह अध्यक्षता में भारत सरकार कार्मिक मंत्रालय के तहत पजीकृत सोसायटी के रूप में कार्य कर रहे भारतीय लोक प्रशासन संस्थान नई दिल्ली की राज्य स्तरीय शाखा के रूप में कार्य कर रहा है। छत्तीसगढ़ में कार्य कर रही संस्था अपने प्रारंभिक अवस्था में धीरे धीरे आगे बढ़ने व लोक प्रशासन संबंधित अपेक्षित उद्देश्य को पूर्ण करने की दिशा में प्रयत्नशील है। अब तक लोक प्रशासन से संबधित महत्वपूर्ण विषय चुनाव प्रबंधन की चुनौतियों-पूर्ण किये गये अद्यतन चुनावों के अनुभव, जीवन प्रबंधन, छत्तीसगढ़ राज्य के आदिवासी जिलों का विकास, राज्य के छत्तीसगढ़ नामकरण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, आर्टिफिसियल इन्टेलिजेंस और डिजिटल लोक प्रशासन काल में प्रशासनिक नेतृत्व जैसे गंभीर विषयों पर राज्य के प्रशासनिक कार्यों से संबंधित राज्य के प्रबुद्ध जनों एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों का वर्कशॉप व विचार विमर्श आयोजित किया गया था। इस अवसर पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान छत्तीसगढ़ के उपाध्यक्ष द्वय पूर्व अपर मुख्य सचिव श्रीमती इन्दिरा मिश्रा और श्री अजय सिंह, सचिव श्री अनुप श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में स्थापित होगी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 25 फीट से ऊंची भव्य प्रतिमा

रायपुर । छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नवा रायपुर स्थित नवनिर्मित विधानसभा भवन परिसर में भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 25 फीट से ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित करने हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की अनुशंसा की है।डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री से लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में शीघ्र आवश्यक निर्देश जारी करने का भी आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने गठन के 25 वर्षों की यात्रा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। संविधान में निहित स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों से प्रेरित होकर यह राज्य समावेशी विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित विधानसभा परिसर में प्रस्तावित डॉ. अंबेडकर की यह भव्य प्रतिमा न केवल संविधान निर्माता को यथोचित सम्मान अर्पित करेगी, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए सामाजिक समता, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रेरणा का प्रतीक भी बनेगी।

उल्लेखनीय है कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर 12 दिसंबर 1945 को रायपुर आए थे और वर्तमान माधवराव सप्रे शाला परिसर (तात्कालीन लॉरी स्कूल) में ऐतिहासिक जनसभा को संबोधित किया था। इस यात्रा ने छत्तीसगढ़ की धरती को उनके विचारों और व्यक्तित्व से सशक्त बनाया।यह पहल डॉ. अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी (ए.डब्ल्यू.एस.) की ओर से की गई है। सोसाइटी के चेयरमैन दिलीप वासनीकर एवं प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष से विगत दिनो मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने राज्य स्थापना के रजत महोत्सव वर्ष में यह प्रतिमा स्थापित करने का निवेदन करते हुए इसे सामाजिक समता और लोकतांत्रिक मूल्यों के संवर्द्धन की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।डॉ. रमन सिंह ने ए.डब्ल्यू.एस. की इस पहल को पूर्ण समर्थन देते हुए कहा कि इस प्रतिमा की स्थापना से छत्तीसगढ़ की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर एक समावेशी और संवेदनशील राज्य के रूप में और भी सशक्त होगी।

28 लाख रुपये का जुर्माना चुकाए बिना जिले में रेत का अवैध परिवहन कैसे हो रहा है - विक्रम

0 भाजपा की डबल इंजन सरकार के संरक्षण में जिले में रेत का अवैध परिवहन जारी - विक्रम मंडावी

बीजापुर, (आरएनएस)। कांग्रेस नेता एवं बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय बीजापुर में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार के बनने के बाद से भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जिला प्रशासन और खनिज विभाग पर भोपालपटनम क्षेत्र से रेत का अवैध परिवहन कराने का गंभीर आरोप लगाया। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में कहा कि तीमेड में रेत के अवैध भंडारण को लेकर सरकार ने कथित रेत ठेकेदार और भाजपा नेता गौतम राव पर 28 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। लेकिन ठेकेदार ने आज तक यह राशि नहीं चुकाई है, और वह धड़ल्ले से जिले से पड़ोसी राज्य तेलंगाना और महाराष्ट्र में रेत का अवैध परिवहन कर रहा हैं। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि जिले से अन्य राज्यों को रेत का अवैध परिवहन न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि जिले की रॉयल्टी की चोरी भी है। इसकी गहन जांच होनी चाहिए। यह सब भाजपा की डबल इंजन सरकार के इशारे और संरक्षण में ही संभव हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिले के सभी रेत खदानों का ठेका भाजपा सरकार में एक ही व्यक्ति, भाजपा नेता गौतम राव को कैसे मिल गया यह संयोग नहीं, बल्कि भाजपा नेताओं द्वारा डबल इंजन सरकार के संरक्षण में रेत का अवैध परिवहन का प्रमाण है। प्रेस वार्ता में विधायक ने आगे कहा कि जिले का रेत हैदराबाद (तेलंगाना) और महाराष्ट्र जा रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर रेत की कमी हो रही है और कीमतें आसमान छू रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना एवं सरकारी निर्माण कार्यों के लिए रेत उपलब्ध नहीं हो पा रही, जबकि इसे अवैध रूप से दूसरे राज्यों में बेचा जा रहा है। भोपालपटनम क्षेत्र में कथित रेत ठेकेदार और भाजपा नेता गौतम राव ने बड़े पैमाने पर रेत का अवैध भंडारण किया था, जिसे प्रशासन ने जब्त कर 28 लाख रुपये का जुर्माना लगाया, लेकिन आज तक जब्त रेत की नीलामी क्यों नहीं की गई, यह स्पष्ट नहीं है।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने अधिवक्ताओं की वाद-विवाद प्रतियोगिता के साथ रजत जयंती समारोह की शुरुआत की

मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा ने प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आज उच्च न्यायालय के सभागार में अधिवक्ताओं के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता एक अत्यंत प्रासंगिक विषय ''नैतिक मूल्यों से समझौता किए बना क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) न्याय को अधिक प्रभावी बना सकती है?'' पर आधारित थी। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और न्याय प्रणाली में एआई के उपयोग पर गहन एवं सशक्त विचार प्रस्तुत किए।

प्रतिभागियों ने कार्यकुशलता में वृद्धि और डेटा प्रबंधन में एआई की संभावनाओं पर प्रकाश डाला साथ ही इससे जुड़ी नैतिक चिंताओं पर भी विचार व्यक्त किए, जिनमें पारदर्शिता, निष्पक्षता, जवाबदेही और न्यायिक निर्णय में मानव हस्तक्षेप की अनिवार्यता शामिल रही।

मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा ने प्रतियोगिता के अंत में शीर्ष तीन प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। अधिवक्ता श्री प्रशून भादुडी को प्रथम पुरस्कार, अधिवक्ता श्रीमती दिक्षा गौरहा को द्वितीय पुरस्कार तथा अधिवक्ता सुश्री इशिता को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा ने अन्य प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उत्साह वर्धन किया।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजत जयंती वर्ष के तहत् यह वाद-विवाद प्रतियोगिता ने एक विधिक संवाद, पेशेवर विकास, और समकालीन विधिक चुनौतियों के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित करने की न्यायालय की प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित किया।

शिक्षा में मेंटरशिप सामाजिक न्याय और समान अवसर का मजबूत आधार - वित्त मंत्री ओपी चौधरी

रायपुर। नीति आयोग ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में विषय पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की भावना को मूर्त रूप देते हुए शिक्षा व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी बनाने में मेंटरशिप की भूमिका पर गहन विचार-विमर्श कर राष्ट्रीय फ्रेमवर्क बनाना है। विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और हितधारकों ने शिक्षा में समानता लाने, ड्रॉपआउट दर घटाने और युवाओं को अवसरों से जोड़ने के लिए अपने अनुभव साझा किए।

मेंटॉरशिप युवाओं को सशक्त करने की कुंजी है÷: श्री ओ. पी. चौधरी

विशेष अतिथि के रूप में वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि शिक्षा में समानता और सशक्तिकरण की दिशा में मेंटरशिप की भूमिका निर्णायक है।

शराब घोटाले में बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी डायरेक्टर झारखंड जेल से रायपुर लाए गए

रायपुर । शराब घोटाले की जांच में तेजी लाते हुए आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने दो प्रमुख आरोपियों अतुल सिंह और मुकेश मनचंदा को झारखंड से प्रोडक्शन वारंट पर रायपुर लाया है। दोनों आरोपी ओम साईं बेवरेज कंपनी के निदेशक हैं और वर्तमान में झारखंड के रांची जेल में बंद थे। जानकारी के अनुसार, बुधवार देर रात दोनों को रायपुर लाया गया। ईओडब्ल्यू की टीम शुक्रवार को इन्हें रायपुर स्थित विशेष अदालत में पेश करेगी, जहां पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड की मांग की जा सकती है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ के दौरान शराब घोटाले से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं। ईओडब्ल्यू में दर्ज आबकारी अपराध क्रमांक 04/2024 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7ए और 12, साथ ही भारतीय दंड संहिता की धाराएं 420, 467, 468, 471 और 120बी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

राज्य स्तरीय महतारी सम्मेलन में वन मंत्री श्री कश्यप हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती महोत्सव वर्ष 2025 के अंतर्गत नारायणपुर जिले के ग्राम पंचायत भाटपाल में जिला स्तरीय महतारी सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि महतारी वंदन योजना ने महिलाओं के जीवन में आर्थिक संबल प्रदान किया है। आज ग्रामीण अंचल की माताएं इस योजना की राशि का उपयोग कर स्वरोजगार, बच्चों की शिक्षा और भविष्य की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। छत्तीसगढ़ की नारी शक्ति हर क्षेत्र में अग्रणी रही है और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए सतत् प्रयासरत है। वनमंत्री श्री कश्यप ने सम्मेलन में महतारी वंदन योजना के तहत आत्मनिर्भर बनी प्रेरणादायी महिलाओं और नारायणपुर जिले की मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर वनमंत्री श्री कश्यप ने 39 लाख 26 हजार रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया, जिनमें पुलिया, सामुदायिक भवन एवं घोटूल निर्माण शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि नारायणपुर जिले की 27 हजार

84 महिलाओं को इस योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है, जिनमें से भाटपाल पंचायत की 434 महिलाएं भी शामिल हैं। अब तक जिले में 44 करोड़ 89 लाख 32 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों को वितरित की जा चुकी है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री सेवक राम नेताम, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष श्री प्रताप सिंह मण्डावी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित जिला एवं जनपद पंचायत सदस्य, जिला स्तरीय अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

दानेश्वर दास जी महाराज बने अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के प्रदेश प्रवक्ता व सदस्यता अभियान प्रभारी

डॉ. सौरव निर्वाणी की अनुशंसा व राष्ट्रीय अध्यक्ष देवकुमार बाला दास की सहमति से नवागढ़ रामजानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास ने की घोषणा

रायपुर। लोकशक्ति।

अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश में सक्रिय रूप से सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार एवं पुजारी-पंडित समाज के संगठनात्मक विस्तार हेतु दानेश्वर दास जी महाराज को प्रदेश प्रवक्ता के साथ-साथ प्रदेश सदस्यता अभियान प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति, संघ के प्रदेश संयोजक डॉ. सौरव निर्वाणी की अनुशंसा तथा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाला आवा मंदिर के प्रतिष्ठित पुजारी देवकुमार बाला दास की सहमति से नवागढ़ रामजानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास जी महाराज द्वारा संपन्न की गई।

छत्तीसगढ़, प्राचीनकाल से ही मठ-मंदिरों, पुरोहितों और सनातन परंपराओं की भूमि रही है। यहाँ के पुजारी-पंडित समाज की संगठित शक्ति ही धर्म की रक्षा, संस्कृति का संरक्षण और समाज का मार्गदर्शन करती रही है। आज जब सनातन मूल्यों और मठ-मंदिरों की स्वायत्तता पर प्रश्न उठ रहे हैं, तब अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ ने छत्तीसगढ़ में व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाने का संकल्प लिया है।

दानेश्वर दास जी महाराज, अपनी वाणी की प्रखरता, धर्म के प्रति समर्पण और संगठनात्मक क्षमता के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके प्रवक्ता और सदस्यता अभियान प्रभारी बनने से छत्तीसगढ़ में संघ की शक्ति में निश्चित रूप से अत्यधिक वृद्धि होगी।

धर्म स्तंभ काउंसिल के डॉ सौरव निर्वाणी ने बताया की मंदिर और मठ केवल उपासना के केंद्र नहीं हैं, बल्कि यह सनातन संस्कृति की जड़ और जीवनदायिनी धारा हैं।

दानेश्वर दास जी महाराज

पुजारी एवं पुरोहित समाज को सम्मान और उचित मानदेय दिलाना संघ का मूल उद्देश्य है।

समाज में धर्मगुरुओं और पुरोहितों की भूमिका केवल अनुष्ठान कराने तक सीमित नहीं, बल्कि संस्कृति, शिक्षा और सामाजिक मार्गदर्शन तक विस्तृत है, ,संगठन का सदस्यता अभियान इस बात का प्रतीक है कि अब पुजारी-पंडित समाज एकजुट होकर अपनी परंपराओं, अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा करेगा।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष महंत सुरेंद्र दास ने कहा कि– छत्तीसगढ़ में प्रत्येक मंदिर, प्रत्येक पुजारी और प्रत्येक धर्मसेवक इस सदस्यता अभियान से जुड़कर संघ की शक्ति को अपार बनाए। यह अभियान केवल संगठन की मजबूती नहीं, बल्कि सनातन धर्म की रक्षा और मठ-मंदिरों की स्वायत्तता के संकल्प का प्रतीक है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष देवकुमार बाला दास जी ने दानेश्वर दास महाराज को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि– संघ की यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ में संगठनात्मक ऊर्जा का संचार करेगी और आने वाले समय में पुजारी समाज को नई दिशा प्रदान करेगी।

भगवताचार्य दानेश्वर महाराज की नियुक्ति पर जमात मंदिर के महंत बसंत दास,योगीदीप समिति के अध्यक्ष रितेश शर्मा,डॉ रविंद्र द्विवेदी,कथाचार्य हेमंत वैष्णव, बेमेतरा कृष्ण मंदिर के महंत गणेश्वर दास,श्वेतगंगा के महंत राधेश्याम दास, पिपरिया के महंत श्याम दास और संरक्षक नागा महंत हरिशंकर दास ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं है।

इंडिया टुडे मोट्न सर्वे में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को गृह राज्य में 41.9प्रतिशत जनता का विश्वास

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कामकाज को लेकर जनता का भरोसा लगातार बढ़ता दिख रहा है। अगस्त 2025 के सर्वेक्षण में उनके गृह राज्य के 41.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उनके कार्य को संतोषजनक बताया है, जो फरवरी 2025 के 39 प्रतिशत से बढ़कर दर्ज हुआ है। यानी महज़ छह महीनों में मुख्यमंत्री के प्रति जनता की संतुष्टि में 2.9 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। यह उपलब्धि बड़े राज्यों की श्रेणी में उन्हें दूसरे स्थान पर स्थापित करती है। उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशभर का व्यापक भ्रमण करते हुए आमजन की समस्याओं को सीधे सुना और शिकायत निवारण समाधान शिविरों के माध्यम से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की। इस पहल से शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को जमीनी स्तर पर नई गति मिली। साथ ही निचले प्रशासनिक तंत्र की कमियाँ उजागर हुईं, जिन्हें तत्परता से दूर किया गया। मुख्यमंत्री की यह संवेदनशील और सक्रिय कार्यशैली जनता को निकटता से महसूस हुई, जिससे उनके प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री सचिवालय की टीम ने विभागों और जिला कलेक्टरों की कार्यप्रणाली की सतत मॉनिटरिंग करते हुए योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन से फाइलों के निराकरण में गति आई, वहीं भ्रष्टाचार पर प्रहार और प्रशासनिक सुधारों ने शासन की कार्यक्षमता को नई ऊर्जा दी। केंद्र सरकार की मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों का पूरा होना, विशेषकर प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन और कृषक उन्नति योजना जैसे कार्यक्रमों ने गरीबों, महिलाओं और किसानों के बीच भरोसे और संतोष की भावना को और गहरा किया। भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, युवाओं के लिए रोजगार सृजन तथा निवेश और व्यापार-व्यवसाय के नए अवसरों ने प्रदेश में नई आशा और उत्साह का संचार किया।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

भारत-चीन के तनावपूर्ण इतिहास को भूलना आवश्यक

यदि चीन-भारत को तरक्की करनी है अपने क्षेत्र में पुराने तनाव पूर्ण बातों को भूलकर ही आगे बढ़ा जा सकता है। दोनों देश सीधी विमान सेवा और सीमा व्यापार फिर शुरू करने की ओर भी आगे बढ़े हैं। चीन ने तिब्बत में बन रहे दुनिया के सबसे बड़े बांध के कारण ब्रह्मपुत्र नदी में दल के बहाव के बारे में भारत में फैली चिंता का समाधान करने की कोशिश भी की। वांग सीमा वार्ता के लिए नई दिल्ली आएथे। इस दिशा में भी प्रगति हुई। सीमा निर्धारण के लिए विशेषज्ञ दल बनाने का निर्णय हुआ है। वांग की यात्रा के दौरान सबसे प्रमुख घटना उनकी प्रधानमंत्री से मुलाकात रही, जिस दौरान नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन की चीन में होने जा रही शिखर बैठक में भाग लेने की पुष्टि कर दी। मोदी ने कहा- 'भारत और चीन के बीच स्थिर, पुर्वानुमेय एवं रचनात्मक संबंध का क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति और समृद्धि में महत्वूपर्ण योगदान होगा।' मगर कई पेच बाकी हैं। उनमें सीमा विवाद सिर्फ एक है। गौरतलब है कि वांग नई दिल्ली से सीधे पाकिस्तान गए हैं।

सब तो एक आदमी के आगे ऐंवे हो गए

हरिशंकर व्यास

भारत सरकार के मंत्रियों की क्या हैसियत हो गई है? राष्ट्रीय अध्यक्ष की हैसियत के नेता नरेंद्र मोदी के लिए माला पकड़ कर खड़े होते हैं। उस माला में घुसने की इजाजत उनको नहीं होती है। यह धारणा बनी है कि ले देकर एक अमित शाह हैं, जिनकी कोई हैसियत है लेकिन संसद के मानसून सत्र में यह भी दिखा कि पक्ष और विपक्ष में उनकी हैसियत पर ही चिंदियां गिरती दिखी। वे गिरफ्तारी और 30 दिन की हिरासत पर मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को कुर्सी से हटाने वाला विधेयक पेश कर रहे थे तो उसे उन्होने अगली पंक्ति में अपनी निर्धारित सीट से पेश नहीं किया, बल्कि चौथी पंक्ति में अपने सांसदों के बीच खड़े होकर पेश किया।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि डर के मारे अमित शाह ने चौथी लाइन में खड़े होकर बिल पेश किया। जिस समय वे बिल पेश कर रहे थे उस समय विपक्ष की ओर से बिल की प्रति फाड़ी गई और कागज के गोले बना कर उनकी ओर उछाले गए। अब वे क्या करेंगे? क्या सभी सांसदों के ऊपर सीबीआई, ईडी छोड़ देंगे?

पिछले दिनों दिल्ली में कांस्टीट्यूशन क्लब के चुनाव की बड़ी चर्चा रही। भाजपा के पूर्व सांसद संजीव बालियान ने अपनी ही पार्टी के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी को चुनौती दे दी। क्लब से सेक्रेटरी एडमिन के लिए हुए चुनाव में कहा गया कि बालियान को अमित शाह ने उम्मीदवार बनाया है। पुरानी भाजपा के चेहरे रूड़ी को हराने के लिए बालियान को लाया गया है।

संसद सत्र के बीच खुद अमित शाह वोट डालने पहुंचे। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी थे। लेकिन रूड़ी ने बालियान को बड़े अंतर से हरा दिया। सात सौ वोट वाले चुनाव में रूड़ी एक सौ वोट से जीते। इसके बाद चर्चा रही कि रूड़ी ने शाह को हराया। इसी तरह गुजरात में सहकारिता के हालिया चुनावों में भी अमित शाह के उम्मीदवारों के हारने की चर्चा है। संघ के लोगों ने अमित शाह के उम्मीदवारों को निपटवा दिया। वह भी गुजरात में। क्या अर्थ है। उनकी छोटे, मामूली चुनाव में भी धमक नहीं रही। न गुजरात में वे अपना प्रदेश अध्यक्ष बनवा पा रहे है और न उत्तरप्रदेश में? योगी ने उन्हे यूपी में ऐंवे ही बना डाला है!

पिछले दिनों एनडीए के सांसदों की बैठक हुई, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान किया गया। उस समय मोदी ने सबको याद दिलाया कि अमित शाह सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह मंत्री रहने का रिकॉर्ड बना चुके हैं तो उनका भी सम्मान होना चाहिए। उनका जबरदस्ती सम्मान हुआ। मगर बाकि जो समय से मंत्री बने हुए है वे नाराज हो गए और कहते है उन्होंने शिकायत करने में कोताही नहीं बरती। आखिर कई नेता लगातार 11 साल से मंत्री हैं।

नितिन गडकरी एक ही विभाग में 11 साल से मंत्री हैं और पूरे देश में उनके कामकाज की चर्चा होती है। राजनाथ सिंह भी छह साल से ज्यादा समय से रक्षा मंत्री हैं और पांच साल गृह मंत्री रहे हैं। कई और मंत्री हैं जो 2014 से लगातार सरकार में हैं। लेकिन उनके स्वागत के लिए कभी मोदी ने नहीं कहा। लेकिन बुनियादी सवाल तो यह है कि इन मंत्रियों को भी क्या मतलब है? क्या कोई मंत्री अपने कामकाज की तारीफ, शाबाशी की चर्चा पाता होता। सब तो एक आदमी के आगे ऐंवे हो गए है। सारे मंत्रालय एक जगह से चलते हुए हैं। बाकी सब डाकिए का काम करने के लिए मंत्रालय में बैठाए गए हैं।

यह निजी विचार है।

प्रेम, भक्ति एवं शक्ति की अनंत ज्योति हैं राधाजी

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी का दिन भारतीय संस्कृति में प्रेम, भक्ति, शक्ति और समर्पण का अनोखा पर्व लेकर आता है-यह है राधाष्टमी। इसे राधा रानी का जन्मोत्सव माना जाता है। यह केवल किसी भक्ति की शिखर नारी चरित्र के जन्मोत्सव का पर्व नहीं, बल्कि उस दिव्य शक्ति की अभ्यर्थना है जिसने स्वयं श्रीकृष्ण के जीवन को एक अनूठी ऊंचाई दी। इस दिन भक्त राधा और श्रीकृष्ण की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और उनकी कृपा से सुख-समृद्धि व सौभाग्य की प्राप्ति की कामना करते हैं। ब्रजभूमि, खासकर बरसाना में इसे बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। राधाजी प्रेम, भक्ति और श्रीकृष्ण के भीतर छिपी शक्ति का प्रतीक हैं; वह प्रेम की पराकाष्ठा, भक्ति की देवी और श्रीकृष्ण की आंतरिक शक्ति के रूप में पूजी जाती हैं। उनका दिव्य प्रेम आध्यात्मिक प्रेम की एक मिसाल है। यदि श्रीकृष्ण लीला, माधुर्य और करुणा के अवतार हैं, तो राधा उस लीला का रस, उस माधुर्य की गहराई और उस करुणा की आत्मा हैं। इसीलिए भारतीय भक्ति परंपरा में कहा गया-÷राधे बिनु नहीं कृष्ण, कृष्ण बिनु नहीं राधे÷।

राधा भारतीय संस्कृति में केवल एक स्त्री का नाम नहीं हैं, वे प्रेम की पराकाष्ठा और भक्ति की सर्वोच्च अभिव्यक्ति हैं। उनका प्रेम सांसारिक या देहाधारित नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। यह प्रेम स्वार्थ और अधिकार से परे है, यह प्रेम केवल समर्पण और तादात्म्य का है। राधा का जीवन त्याग और अनुराग का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने कभी अपने लिए कुछ नहीं चाहा, उनका हर भाव, हर श्वास केवल श्रीकृष्ण में रमा रहा। यही कारण है कि भक्त कवियों ने राधा को 'भक्ति-रस की मूर्ति' और 'प्रेम की अधिष्ठात्री देवी' कहा। सूरदास ने लिखा-'प्रेम भया मनु भाव समाना, राधा तन मन कृष्ण बखाना।' अर्थात, प्रेम ऐसा हो कि हृदय और आत्मा में केवल श्रीकृष्ण का ही वास हो जाए। निश्चित ही राधा और श्रीकृष्ण का संबंध, आत्मा और परमात्मा का अद्भुत एवं विलक्षण संवाद है। सामान्य दृष्टि से देखने पर राधा और श्रीकृष्ण का संबंध केवल प्रेमिका-प्रेमी का प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसका वास्तविक अर्थ बहुत गहन है। यह संबंध सांसारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक है। यह आत्मा और परमात्मा का शाश्वत संवाद इसलिये है कि इसमें किसी प्रकार का मोह, स्वार्थ या वासना नहीं है।

राधा श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करती हैं। श्रीकृष्ण लीला के केंद्र हैं, परंतु वह लीला राधा के बिना अधूरी है। इसीलिए भक्त परंपरा में श्रीकृष्ण का नाम लेने से पहले राधा का नाम लिया जाता है, ÷राधे-कृष्ण÷, ÷श्यामा-श्याम÷। यह क्रम अपने आप में गहरा दार्शनिक संदेश देता है कि परमात्मा तक पहुँचने का मार्ग राधा जैसे प्रेम और भक्ति से होकर जाता है। राधा केवल श्रीकृष्ण की प्रेयसी नहीं, बल्कि उनकी शक्ति और प्रेरणा हैं। गीता में श्रीकृष्ण ने प्रकृति के दो रूप बताए हैं-अपरा और परा। राधा को 'परा प्रकृति' का स्वरूप माना जाता है, जो जीवन को आध्यात्मिकता की ओर ले जाती है। वे श्रीकृष्ण की लीलाओं की आत्मा हैं, उनकी आराधना का आधार हैं। राधा के प्रेम में कोई अधिकार नहीं, केवल समर्पण है। उनका संदेश है कि सच्चा प्रेम पाने में नहीं, बल्कि देने में है। यही देने की भावना जीवन को ऊँचाई देती है। यह प्रेम केवल मनुष्य और मनुष्य के बीच संबंधों में ही नहीं, बल्कि मनुष्य और ईश्वर के संबंध में भी उतना ही प्रासंगिक है।

राधा की भक्ति को सर्वोच्च माना गया है। उनका प्रेम निष्काम है, केवल श्रीकृष्णमय है। उन्होंने अपने अस्तित्व को ही श्रीकृष्ण में विलीन कर दिया। यही कारण है कि चैतन्य महाप्रभु ने राधा की भक्ति को अपनाया और उसी रस में डूबकर कहा-'मैं राधा की भक्ति में श्रीकृष्ण को देखता हूँ और श्रीकृष्ण की भक्ति में राधा को।' सूरदास, रसखान, विद्यापति, मीराबाई-सभी भक्त कवियों ने राधा के माध्यम से ही प्रेम और भक्ति के गहनतम स्वरूप का चित्रण किया। मीराबाई ने जब कहा-÷मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई÷-तो उसमें राधा का ही भाव प्रतिध्वनित होता है। आज के समय में जब संबंधों में स्वार्थ, गणना और तात्कालिकता का समावेश बढ़ता जा रहा है, तब राधा का चरित्र हमारे लिए नई रोशनी देता है। सच्चा प्रेम वही है जिसमें समर्पण, विश्वास और त्याग हो। समकालीन जीवन में जहां परिवार और समाज टूटते जा रहे हैं, वहां राधा का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो उठता है। उनका जीवन बताता है कि जब तक हम संबंधों को केवल लाभ-हानि की दृष्टि से देखते रहेंगे, तब तक उनमें स्थायित्व नहीं आएगा। स्थायित्व तभी आएगा जब उनमें राधा जैसा समर्पण होगा।

भक्ति के स्तर पर भी राधा हमें प्रेरणा देती हैं। आज धर्म अक्सर कर्मकांड और बाहरी आडंबर तक सीमित होता जा रहा है। राधा हमें सिखाती हैं कि भक्ति हृदय की गहराई में होती है, जहां भक्त और भगवान का भेद मिट जाता है। जब हम राधा की तरह निष्काम होकर ईश्वर में समर्पित हो जाते हैं, तब जीवन की हर कठिनाई तुच्छ लगने लगती है और एक अद्भुत शांति प्राप्त होती है। राधा का जीवन हमें यह स्मरण कराता है कि मनुष्य का परम उद्देश्य केवल भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। वे हमें बताती हैं कि भक्ति केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि हृदय की गहराई से ईश्वर के साथ तादात्म्य स्थापित करना है। आज जब मानवता संघर्ष, तनाव और अकेलेपन से गुजर रही है, राधा हमें सिखाती हैं कि सच्चा समाधान प्रेम और समर्पण में है। यदि हम राधा के जीवन से प्रेरणा लें, तो हमारे व्यक्तिगत संबंध, सामाजिक ताना-बाना और आध्यात्मिक जीवन सब में नई ऊर्जा और शांति का संचार हो सकता है।

शास्त्रों में श्री राधा श्रीकृष्ण की शाश्वत शक्तिस्वरूपा एवम् प्राणों की अधिष्ठात्री देवी के रूप में वर्णित हैं अतः राधाजी की पूजा के बिना श्रीकृष्ण की पूजा अधूरी मानी गयी है। श्रीमद देवी भागवत में श्री नारायण ने नारदजी के प्रति 'श्री राधायै स्वाहा' षडाक्षर मंत्र की अति प्राचीन परंपरा तथा विलक्षण महिमा के वर्णन प्रसंग में श्री राधा पूजा की अनिवार्यता का निरूपण करते हुए कहा है कि श्री राधा की पूजा न की जाए तो मनुष्य श्रीकृष्ण की पूजा का अधिकार नहीं रखता। स्वयं भोलेनाथ ऋषि नारदजी के पूछने पर कहते हैं कि मैं तो श्रीराधा के रूप, लावण्य और गुण आदि का वर्णन करने मे अपने को असमर्थ पाता हूं। उनके रूप आदि की महिमा कहने में भी लज्जित हो रहा हूं। तीनों लोकों में कोई भी ऐसा समर्थ नहीं है जो उनके रूपादि का वर्णन करके पार पा सके। उनकी रूपमाधुरी जगत को मोहने वाले श्रीकृष्ण को भी मोहित करने वाली है। यदि अनंत मुख से चाहूं तो भी उनका वर्णन करने की मुझमें क्षमता नहीं है।''

शास्त्रों के अनुसार, राधा के बिना कृष्ण की पूजा भी अधूरी मानी जाती है, इसलिए राधा अष्टमी का महत्व बहुत अधिक है। इस दिन व्रत और पूजा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और भक्तों को धन, ऐश्वर्य और सुख मिलता है। विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य और संतान सुख के लिए राधा अष्टमी का व्रत रखती हैं। राधाअष्टमी का पर्व केवल एक जन्मोत्सव नहीं, बल्कि यह हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा प्रेम और भक्ति किसे कहते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, राधा रानी का जन्म बरसाना में वृषभानु और कीर्तिदा के घर हुआ था। उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य शक्ति माना जाता है। मान्यता है कि जो भक्त राधा रानी को प्रसन्न कर लेते हैं, भगवान श्री कृष्ण स्वयं उनसे प्रसन्न हो जाते हैं। राधा हमें सिखाती हैं कि प्रेम आत्मा की अनुभूति है, जो परमात्मा से जोड़ता है। वे प्रेम की उस ज्योति की प्रतीक हैं, जो न केवल श्रीकृष्ण को आलोकित करती है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पथप्रदर्शक बनती है। इसलिए आज के समय में राधा की प्रासंगिकता और भी गहरी हो जाती है। वे हमें जीवन का वह मार्ग दिखाती हैं, जिसमें स्वार्थ नहीं, केवल समर्पण है; जिसमें वासना नहीं, केवल आत्मा और परमात्मा का मिलन है। यही राधा का सच्चा संदेश है और यही राधाष्टमी का वास्तविक महत्व है।

यह निजी विचार है।

मखाना के सहारे सीमांचल में वोट की फसल काटने उतरे राहुल

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

बिहार की सियासत में इन दिनों मखाना किसानों का मुद्दा गरमाया हुआ है। यह फसल, जिसे बिहार का गौरव कहा जाता है, अब राजनीतिक दलों के लिए वोट का हथियार बन चुकी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कटिहार जिले के मखाना खेतों में उतरकर किसानों की दुर्दशा को जोर-शोर से उठाया। 23 अगस्त 2025 को घुटनों तक पानी में खड़े होकर उन्होंने मखाना किसानों के साथ न सिर्फउनकी मेहनत को देखा, बल्कि उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश भी की। सोशल मीडिया पर साझा किए गए उनके वीडियो और बयानों ने बिहार की सियासत में हलचल मचा दी। राहुल ने कहा कि बिहार दुनिया का 90 प्रतिशत मखाना पैदा करता है, लेकिन मेहनत करने वाले किसान और मजदूर, जो ज्यादातर दलित और अति पिछड़े समुदायों से हैं, मुनाफे का सिर्फएक प्रतिशत ही कमा पाते हैं। बाजार में मखाना 1000 से 2000 रुपये प्रति किलो बिकता है, लेकिन किसानों को नाममात्र कीमत मिलती है, और सारा लाभ बिचौलियों की जेब में चला जाता है।

राहुल ने बिहार की एनडीए सरकार और केंद्र की सरकार पर किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने वादा किया कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनी, तो मखाना किसानों को बिचौलियों से मुक्त कर उनकी उपज को सीधे बाजार तक पहुंचाया जाएगा। इस दौरान उनके साथ विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी भी थे, जो मल्लाह समुदाय से आते हैं और खुद को इस समुदाय का बेटा कहते हैं। सहनी की मौजूदगी ने इस यात्रा को और भी राजनीतिक रंग दिया, क्योंकि मल्लाह समुदाय बिहार की सियासत में अहम भूमिका निभाता है। यह समुदाय मखाना उत्पादन वाले क्षेत्रों में प्रभावशाली है और अन्य पिछड़े वर्गों को अपने साथ जोड़ने की ताकत रखता है। सहनी, जो कभी एनडीए के साथ थे और अब महागठबंधन का हिस्सा हैं, 2025 के विधानसभा चुनाव में बड़ी भूमिका की उम्मीद कर रहे हैं। चर्चा है कि वे 60 सीटों की मांग कर रहे हैं और डिप्टी सीएम पद पर नजर गड़ाए हुए हैं। अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो सियासी पाला बदलने की संभावना भी बनी हुई है।

राहुल गांधी का मखाना किसानों की दुर्दशा पर बोलना और बिचौलियों को दोष देना सियासी तौर पर तो आकर्षक है, लेकिन इसमें एक विरोधाभास भी दिखता है। देश के सभी किसान बिचौलियों की मार झेलते हैं, और इस समस्या से निपटने के लिए केंद्र सरकार 2020 में तीन कृषि कानून लेकर आई थी। इन कानूनों का मकसद था कि किसान अपनी उपज को मंडियों के बाहर सीधे खरीदारों, जैसे निजी कंपनियों या रिटेलरों को बेच सकें। इससे बिचौलियों की भूमिका कम हो सकती थी, और मखाना जैसे उत्पादों को किसान बेहतर कीमत पर बेच सकते थे। लेकिन कांग्रेस ने इन कानूनों का जमकर विरोध किया था। उस वक्त राहुल ने कहा था कि मंडियों का कमजोर होना छोटे किसानों को नुकसान पहुंचाएगा। अब वही राहुल मखाना किसानों की कम कीमत की शिकायत को बिचौलियों से जोड़ रहे हैं। यह सवाल उठता है कि अगर बिचौलियों से मुक्ति की बात वे आज कर रहे हैं, तो कृषि कानूनों का विरोध क्यों किया? यह विरोधाभास उनकी बातों को सियासी रंग देता है। मखाना किसानों की शिकायत है कि उनकी उपज 400-750 रुपये प्रति क्विंटल खरीदी जाती है, जबकि बाजार में यह 900-1600 रुपये प्रति क्विंटल बिकती है। अगर किसानों को सीधे बाजार तक पहुंच मिले, तो उनकी आय बढ़ सकती है।

मखाना किसानों की समस्याएं सिर्फ बिचौलियों तक सीमित नहीं हैं। यह फसल बिहार के मिथिलांचल और सीमांचल क्षेत्रों में उगाई जाती है, जो 100 से अधिक विधानसभा सीटों को प्रभावित करती है। मखाना की खेती बेहद मेहनत भरी है। पानी में डूबकर काले खोल वाले बीज निकालने से लेकर सुखाने, भूनने और पैकेजिंग तक का काम श्रमसाध्य है। किसान आज भी पुरानी तकनीकों पर निर्भर हैं। आधुनिक मशीनरी, पर्याप्त ऋण, और फसल बीमा की कमी उनकी परेशानियों को बढ़ाती है। सरकार ने मखाना बोर्ड की स्थापना की घोषणा की है, जिसके लिए 100 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। यह बोर्ड मखाना उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन को बढ़ावा देने का वादा करता है। लेकिन इसकी स्थापना में देरी हो रही है, और जमीनी स्तर पर बदलाव अभी नजर नहीं आ रहा। किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज, जैसे 'सुवर्ण वैदेही', उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे प्रति हेक्टेयर 16 से 28 क्विंटल तक उत्पादन हो रहा है। साथ ही, मखाना विकास योजना के तहत 75 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है, जिसका अधिकतम लाभ 72,750 रुपये प्रति हेक्टेयर है। लेकिन इन योजनाओं का असर अभी पूरी तरह दिखना बाकी है।

मखाना बिहार की सियासत में अब एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। यह फसल 36,727 हेक्टेयर में उगाई जाती है और 56,400 टन उत्पादन देती है। इसे मुख्य रूप से मल्लाह और अति पिछड़े समुदाय उगाते हैं, जो सामाजिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। एनडीए इसे वैश्विक सुपरफूड के रूप में प्रचारित कर रही है। मखाना को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ले जाने की कोशिश की जा रही है, जैसे विदेशी मेहमानों को मखाना भेंट करना। मखाना बोर्ड को मिथिलांचल और सीमांचल के 72 विधानसभा क्षेत्रों में एनडीए की स्थिति मजबूत करने का रणनीतिक कदम माना जा रहा है। लेकिन बोर्ड की स्थापना में देरी से किसानों में असंतोष है। कुछ नेताओं ने बोर्ड को सीमांचल में स्थापित करने की मांग उठाई है, जिसे सत्ताधारी दल ने सियासी नौटंकी करार दिया। यह विवाद दिखाता है कि मखाना अब सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि सियासी मुद्दा भी है।

राहुल गांधी का मखाना किसानों पर दांव सियासी रणनीति का हिस्सा है। वे मखाना बोर्ड की प्रगति पर सवाल उठाकर सरकार को घेर रहे हैं। उनकी कोशिश सीमांचल और मिथिलांचल के मुस्लिम और पिछड़े समुदायों के वोट साधने की है। खासकर सीमांचल, जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है, वहां कांग्रेस अपनी पैठ बढ़ाना चाहती है। मल्लाह समुदाय इस खेल में अहम कड़ी है। यह समुदाय न सिर्फ मखाना उत्पादन में सक्रिय है, बल्कि सियासी तौर पर भी जागरूक है। परंपरागत रूप से यह समाजवादी दलों के साथ रहा है, लेकिन अब सहनी जैसे नेता इसे महागठबंधन की ओर ले जा रहे हैं। सहनी की पार्टी 2020 में एनडीए के साथ थी और तीन सीटें जीती थीं, लेकिन बाद में उनके विधायक सत्ताधारी दल में चले गए। अब सहनी महागठबंधन के साथ हैं, लेकिन उनकी महत्वाकांक्षा और सियासी गणित उन्हें फिर से पाला बदलने के लिए प्रेरित कर सकती है।

मखाना किसानों का मुद्दा बिहार की सियासत में नया रंग भर रहा है। यह सिर्फआर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। राहुल गांधी की यात्रा और एनडीए की योजनाएं, दोनों ही किसानों के नाम पर वोट की खेती कर रही हैं। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या किसानों की स्थिति में वास्तविक बदलाव आएगा? आधुनिक तकनीक, न्यूनतम समर्थन मूल्य, और बाजार तक सीधी पहुंच से ही मखाना किसानों की जिंदगी बदल सकती है। बिहार का मखाना दुनिया में अपनी पहचान बना सकता है, बशर्ते सियासत से परे ठोस कदम उठें। उम्मीद है कि 2025 का चुनाव इस दिशा में कुछ नया लाएगा, और मखाना किसान अपनी मेहनत का सही फल पा सकेंगे।

इतिहास से सबक और भविष्य के प्रति आशावान होने का सार्थक समय।

प्रत्येक परिवर्तन अपने साथ-साथ बड़े तथा महान अवसर लेकर आता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने जिस ÷आई हैव ए ड्रीम ÷की कल्पना की थी वह जीवन के नए अवसर की कल्पना थी। महात्मा गांधी जी ने भी जिस स्वराज की कल्पना अपने मन में की थी वह भी उसी नए अवसर की खोज में उसकी तरफछेड़ा गया एक अभियान था । बराक ओबामा ने भी कहा था ÷यस वी कैन÷ ने भी बड़े परिवर्तन को सच्चाई के अवसर की तलाश थी। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भी मनुष्य से देवत्व की यात्रा का वर्णन किया था।

समय परिवर्तन के मुख्य द्वार से होकर गुजरता कर प्रत्येक परिवर्तन अपने साथ-साथ बड़े तथा अर्थपूर्ण अवसर लेकर आता है। मनुष्य के जीवन में प्रगति विकास और परिवर्तन ही जीवन का असली गुंजन है, और यही विजय यात्रा की ओर मनुष्य, समाज तथा देश को अग्रसर करता है।

अवसर का जिसने भी सदुपयोग कर लाभ उठाया है और अपने अनुकूल बनाने का ऊर्जा के साथ प्रयास किया है वह विश्व विजेता बनने में सक्षम हुआ जीवन की संपूर्ण यात्रा में व्यक्ति को अपने जीवन में संघर्ष करना पड़ता है और तमाम कठिनाइयों को तोड़कर आगे की ओर अग्रसर होना पड़ता है। अवसर के मार्ग को खोलकर बड़ी विजय की महायात्रा प्राप्त हो सकती है। मूलतः परिवर्तन जीवन की एक मूलभूत विशेषता और एक जरूरी सत्य है बल्कि बेहतर कल तथा विकास के प्रत्येक सपने का हल भी होता है। परिवर्तन में अवसर तलाशने की यात्रा का अस्तित्व ही एक विजय गीत का गान है।

परिवर्तन की इस महा प्रक्रिया का साइकल स्वयं इस बात का साक्ष्य है की परिवर्तन खुद ही नवीनता की एक बड़ी खोज है और परिवर्तन का सीधा अर्थ है जड़ता का नाश है। जो हमारी पुरानी परंपराएं जड़ तथा जंगम हो चुकी है या जो स्वयं को नई परिस्थितियों के अनुसार ढाल पाने में सक्षम नहीं है उसका अंत ही परिवर्तन का प्रस्थान बिंदु होता है और इसका अंत एक बड़े शून्य को जन्म देता है और यह नवीन तथा प्राचीनता के बीच की एक समन्वय की कड़ी होती हैं। और इसमें वह सारे और अवसर निहित होते हैं जिनका चयन ही भविष्य की बुनियाद तय करता है और इस शून्य के काल में किया गया प्रयत्न और प्रयास भविष्य के बड़े भाग्य को तय करता है और किसी समय चक्र के बार-बार परिवर्तन को ही जीवन की संज्ञा दी गई है। गीता में कृष्ण ने इस परिवर्तन वह उसमें अंतर्निहित मौके की तलाश करने का संकेत दिया है। मानवीय इतिहास में भी यदि नजर दौड़ाई तो पहला परिवर्तन 1215 में नागरिक अधिकार पत्र यानी मैग्नाकार्टा की प्राप्ति हुई थी। 12वीं और 13वीं सदी का समय सामंती प्रथा व क्रूरता से भरा समय था जहां मनुष्य एक साधन मात्र था। और उसी समय जब सदियों से भरी जनता को ललकारते हुए परिवर्तन का महत्व तथा सपना मनुष्य के दिमाग में पैदा हुआ,परिवर्तन की इस घड़ी ने एक अवसर को जन्म दिया था और उसी अवसर का उपयोग करते हुए मानव को नागरिक अधिकार पत्र प्रदान किया था। अब मनुष्य स्वयं का कर्ताधर्ता था और उसी नागरिक अधिकार पत्र में किए उल्लेख का परिणाम है कि आज हर समाज को सभ्यता का प्रमाण उसी अधिकार पत्र के आधार पर दिया जाता है। बीसवीं सदी ने जड़ता पर चोट की, मशीनों के शोर, हथियारों की होड़ के बीच कैलिफोर्निया क्रांति ने विश्व को सूचना प्रौद्योगिकी का उपहार दिया था। इस बड़े परिवर्तन ने संपूर्ण मानव समाज को एक बड़ा अवसर प्रदान किया पूरी कार्यप्रणाली को सरल बनाने और संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था को पारदर्शी बनाने का उपहार भी दिया था। यह तो तय है कि जब जब जनता ने समाज की गति को रोकने का प्रयास किया तब मानवीय उद्यम और साहस ने उसे चुनौती दी और नए नए अवसरों की तलाश कर उसका नवीन परिवर्तन का सकारात्मक उपयोग किया। **यह निजी विचार है।**

केरल में महासागर लेखांकन के विकास पर तटीय राज्यों की क्षमता निर्माण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

पीआईबी

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार ने अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस), केरल सरकार के सहयोग से कोच्चि, केरल में ÷महासागर लेखांकन के विकास पर तटीय राज्यों की क्षमता निर्माण÷ पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय, तटीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारी, महासागर इकोसिस्टम खातों पर विशेषज्ञ समूह के सदस्य, केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र, समुद्री जीवित संसाधन और पारिस्थितिकी केंद्र और भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ शामिल हुए।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अतिरिक्त महानिदेशक (एसएसडी) श्री सुभाष चंद्र मलिक ने सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया और एसईईए ढांचे के अनुरूप महासागर लेखांकन के संकलन की प्रक्रिया में सुधार के लिए कार्यशाला की भूमिका को रेखांकित किया।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के महानिदेशक (केंद्रीय सांख्यिकी) श्री एन.के. संतोषी ने अपने मुख्य भाषण में पारंपरिक उपायों के साथ-साथ

महासागरीय इकोसिस्टम के खातों को एकीकृत करके देश के आर्थिक संकेतकों को समृद्ध बनाने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कैसे ये खाते हमारे समुद्री संसाधनों की गतिशीलता को उजागर करके - तटीय इकोसिस्टम के विस्तार, स्थिति, सेवाओं और परिसंपत्तियों पर नज़र रखकर - सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को पूरक बनाते हैं।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव डॉ. सौरभ गर्ग ने अपने उद्घाटन भाषण में आगामी संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रीय लेखा प्रणाली (एसएनए-2025) के अनुरूप, भारत की राष्ट्रीय लेखा प्रणालियों में महासागर इकोसिस्टम के आंकड़ों को शामिल करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया, जो महासागरों, जल और वनों जैसी प्राकृतिक संपत्तियों के लिए जवाबदेही पर ज़ोर देती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के एकीकरण से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुमानों में पारदर्शिता बढ़ती है, इकोसिस्टम के लाभों के न्यायसंगत वितरण को बढ़ावा मिलता है, और आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं सतत विकास के लिए आंकड़ों पर आधारित नीति-निर्माण को बल मिलता है। उन्होंने वैश्विक पहलों पर विशेष ज़ोर दिया:

सतत नीली अर्थव्यवस्था के लिए चेन्नई उच्च-स्तरीय सिद्धांत - जिसे 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान अपनाया गया - समुद्री संसाधनों के आधार पर महासागर संरक्षण, लचीलापन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय ढांचे के रूप में कार्य करता है।

एसडीजी 14: जल के नीचे जीवन इस एजेंडे का केन्द्रीय विषय है, जिसका उद्देश्य सतत प्रबंधन, प्रदूषण न्यूनीकरण, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के माध्यम से महासागरों और समुद्री संसाधनों की रक्षा करना है, जो लाखों लोगों के कल्याण और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की नीली अर्थव्यवस्था नीति, जिसमें सात विषयगत क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया है, को प्रभावी महासागर लेखा और सतत समुद्री योजना के लिए आधार के रूप में संदर्भित किया गया।

डॉ. गर्ग ने केरल के आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय की विशाल एवं कुशल कार्यबल के लिए सराहना की और वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र (विकसित भारत) बनाने के लक्ष्य के लिए अंतर-राज्यीय शिक्षा और सुदृढ़ सांख्यिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने तटीय राज्यों के लिए मंत्रालय के सहयोग पर ज़ोर दिया और न केवल समुद्री लेखा-जोखा, बल्कि सभी क्षेत्रों में साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया - ताकि भारत का विकास विश्वसनीय और अद्यतन आंकड़ों पर मज़बूती से टिका रहे।

केरल के डीईएस निदेशक, श्री जी.एस. राजथ ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव, विशेषज्ञ समूह के सदस्यों, सहयोगी संस्थानों और तटीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना की और दोहराया कि महासागर लेखांकन की सफलता उप-राष्ट्रीय स्तर पर चर्चाओं को ठोस कार्रवाई में बदलने पर निर्भर करती है।

कार्यशाला में दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। निम्नलिखित विशेषज्ञों ने महासागर लेखांकन से संबंधित अवधारणा पर अपने विचार प्रस्तुत किए:

सुश्री अनीता बघेल, उप महानिदेशक (डीडीजी), एसएसडी, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने पर्यावरण लेखांकन प्रणाली (एसईईए) और महासागर लेखांकन ढांचे का अवलोकन दिया और भारत में पर्यावरण लेखांकन एसईईए और महासागर लेखांकन की दिशा में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की पहल और प्रगति पर प्रकाश डाला।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता नई दिल्ली में अलीपुर डीएम कार्यालय में जिला समिति अध्यक्ष के कार्यालय के उद्घाटन के दौरान।

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बादल फटने के बाद प्रभावित क्षेत्र में खोज और बचाव अभियान जारी है।

भारत के तेल एवं गैस सार्वजनिक उपक्रमों की खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका: हरदीप सिंह पुरी

पीआईबी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने आज कहा कि भारत ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए अपनी नीतिगत प्राथमिकता और सार्वजनिक निवेश में वृद्धि की है। उन्होंने कहा, ÷इस दिशा में भारत के तेल एवं गैस सार्वजनिक उपक्रमों ने अग्रणी भूमिका निभाई है।÷

श्री पुरी राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त के उपलक्ष्य में पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) द्वारा दिल्ली सॉकर एसोसिएशन और सुदेवा अकादमी के सहयोग से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। देश में 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है क्योंकि यह भारतीय हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती है। पीएसपीबी की सदस्य सचिव सुश्री सबीना चौधरी और सुदेवा दिल्ली एफसी के अध्यक्ष श्री अनुज गुप्ता ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। श्री पुरी ने भारत के खेल क्षेत्र में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा, ÷2014 के बाद भारत को एक 'खेल राष्ट्र' बनाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं। अब होनहार युवाओं को न केवल वित्त पोषण के मामले में, बल्कि पोषण, खेल विज्ञान और कोचिंग सहित संपूर्ण विकास में उच्च स्तरीय सफलता प्राप्त करने के लिए भरपूर समर्थन मिल रहा है।÷

देश उच्च-स्तरीय चिकित्सा उपकरणों में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ी प्रगति कर रहा है

सरकारी नीतियां और प्रतिस्पर्धी उद्योग देश के मेडटेक क्षेत्र को निरंतर दोहरे अंकों की वृद्धि की ओर ले जा रहे हैं

पीआईबी - फार्मास्यूटिकल्स विभाग के सचिव श्री अमित अग्रवाल ने नई दिल्ली में आयोजित 17वें सीआईआई ग्लोबल मेडटेक शिखर सम्मेलन में भारत के चिकित्सा प्रौद्योगिकी के उभरते केंद्र के रूप में परिवर्तन पर प्रकाश डाला। इस शिखर सम्मेलन का विषय था, ÷स्वस्थ भविष्य के लिए नवाचार - वैश्विक प्रभाव के लिए मेडटेक को आगे बढ़ाना: मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड÷। श्री अग्रवाल ने चिकित्सा प्रौद्योगिकी के हितधारकों को उद्घाटन सत्र में संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश है, इसलिए आने वाले दशकों में किफायती और अभिनव स्वास्थ्य सेवा समाधानों की घरेलू मांग लगातार दोहरे अंकों की वृद्धि दर से बढ़ने वाली है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र का मुख्य लक्ष्?य मरीज़ों की भलाई और घरेलू व वैश्विक, दोनों बाज़ारों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले, किफ़ायती चिकित्सा उपकरणों के विकास पर केंद्रित रहना चाहिए।

श्री अग्रवाल ने कहा कि कोविड के बाद, भारत ने एमआरआई और सीटी स्कैन मशीनों, मैमोग्राफी इकाइयों, वेंटिलेटर, स्टेंट, हर्ट वाल्व, डायलिसिस मशीनों और कई प्रकार के प्रत्यारोपण उपकरणों सहित उन्नत उपकरणों के घरेलू निर्माण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सफलतापूर्वक हासिल कर ली है। एक दशक पहले जो उत्पाद स्थानीय उत्पादन के लिए असंभव लगते थे, अब देश में ही बनाए जा रहे हैं, जो देश की बढ़ती क्षमताओं और नवाचार इकोसिस्?टम को दर्शाता है। इस क्षेत्र के लिए सरकार के सहयोग पर सचिव महोदय ने आगामी वर्ष में शुरू होने वाले तीन समर्पित चिकित्सा उपकरण पार्कों, उनके निरंतर बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए नियोजित सहायता और चिकित्सा उपकरणों के लिए उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का उल्लेख किया, जो उद्योग को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख नीतिगत कदम हैं। श्री अग्रवाल ने प्रयोगशाला से बाज़ार तक की यात्रा को तेज़ करने के लिए नवप्रवर्तकों, उद्यमियों और निवेशकों के बीच गहन सहयोग का आह्वान किया जिससे देश की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता मज़बूत हो सके। चिकित्सा उपकरण पार्क सुविधाओं का विस्तार, उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और पिछड़े एकीकरण के लिए सीमांत निवेश योजना जैसी लक्षित नीतिगत पहल, और जल्द ही शुरू होने वाली ?5,000 करोड़ की फार्मा मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार संवर्धन (पीआरआईपी) योजना के परिणामस्वरूप भारतीय मेडटेक क्षेत्र की लागत-प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादन दक्षता में वृद्धि, घरेलू मूल्य श्रृंखला का गहनीकरण और एक मजबूत नवाचार इकोसिस्टम का निर्माण होगा।

देश को न केवल अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाएंगे, बल्कि वैश्विक उत्तर और दक्षिण दोनों को किफायती नवीन स्वास्थ्य सेवा समाधान भी प्रदान करेंगे।

जनजातीय भाषाओं के लिए भारत का पहला कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित अनुवादक

पीआईबी - समावेशी जनजातीय सशक्तीकरण और भारत की समृद्ध भाषाई विविधता के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में, भारत सरकार का जनजातीय कार्य मंत्रालय, जनजातीय भाषाओं के लिए भारत का पहला एआई-संचालित अनुवादक - ÷आदि वाणी÷ का बीटा संस्करण लॉन्च कर रहा है। जनजातीय गौरव वर्ष के बैनर तले विकसित, यह अग्रणी पहल जनजातीय क्षेत्रों में भाषाई और शैक्षिक परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार है। प्ले स्टोर (आईओएस पर जल्द ही उपलब्ध) और एक समर्पित वेब प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध, आदि वाणी को आदिवासी और गैर-आदिवासी समुदायों के बीच संचार अंतराल को पाटने के लिए डिज़ाइन किया गया है, साथ ही उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके लुप्तप्राय आदिवासी भाषाओं की सुरक्षा भी की जा रही है। आदि वाणी एक कृत्रिम बुद्धि (एआई)-आधारित अनुवाद उपकरण है जो आदिवासी भाषाओं को समर्पित भविष्य के एक बड़े भाषा मॉडल की नींव रखता है। यह परियोजना भारत भर में आदिवासी भाषाओं और संस्कृतियों के संरक्षण, संवर्धन और पुनरुद्धार के लिए उन्नत कृत्रिम बुद्धि (एआई) तकनीकों को समुदाय-संचालित दृष्टिकोणों के साथ जोड़ती है।

भारतीय नौसेना का युद्धपोत पापुआ न्यू गिनी में के पोर्ट मोरेस्बी पहुंचा

पीआईबी

भारतीय नौसेना का स्वदेशी एएसडब्ल्यू कार्वेट जहाज आईएनएस कदमत्त पापुआ न्यू गिनी के 50वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए आज पोर्ट मोरेस्बी पहुंचा। इससे भारत और पापुआ न्यू गिनी के बीच बढ़ती मित्रता एवं समुद्री साझेदारी की पुष्टि होती है। यह सद्भावना यात्रा एक्ट ईस्ट नीति के तहत प्रशांत द्वीप देशों के साथ अपने संबंधों को सशक्त करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने की भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस यात्रा के मुख्य आकर्षणों में पापुआ न्यू गिनी की आधिकारिक स्वतंत्रता दिवस परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आईएनएस कदमत्त की भागीदारी शामिल है, जिसके माध्यम से दोनों देशों के साझा

लोकतांत्रिक मूल्यों तथा विरासत का सम्मान किया जाएगा। जहाज का चालक दल समुद्री सुरक्षा, मानवीय सहायता व आपदा राहत कार्यों में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए पापुआ न्यू गिनी रक्षा बल (पीएनजीएफडी) के साथ मिलकर कार्य करेगा। यह जहाज रक्षा क्षेत्र में भारतीय नौसेना की 'आत्मनिर्भरता' की यात्रा को प्रदर्शित करने के लिए पापुआ न्यू गिनी रक्षा बलों के प्रमुख की मेजबानी करेगा। यह दौरा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 2023 में पापुआ न्यू गिनी की ऐतिहासिक यात्रा से विस्तारित हुए संबंधों के अनुरूप है, जहां दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को गहन करने, विकास साझेदारी को विस्तार देने तथा रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। भारतीय नौसेना सद्भावना बंदरगाह यात्राओं, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और सहयोगात्मक समुद्री प्रयासों के माध्यम से विभिन्न देशों को जोड़ने व 'मैत्री सेतु' बनाने की अपनी कूटनीतिक भूमिका को पूरा करने में दृढ़ प्रतिज्ञ है।

ARHAM TECHNOLOGIES LIMITED
ARHAM TECHNOLOGIES LIMITED

CIN: L52335CT2013PLC001207

Registered Office & Factory : Plot No. 15, Electronic Manufacturing Cluster, Sector-22, Village Tuta, Atal Nagar Nava Raipur, Raipur, Chhattisgarh, 492015 | **Tel:** +91 959984784.

Corporate Office: 5, Chitrakoot Complex, Opp. Vyavsayik Sahakari Bank, Jawahar Nagar, Raipur, Chhattisgarh, 492001.

E-Mail: support@arhamtechnologies.co.in | **Website:** www.arhamtechnologies.co.in

NOTICE TO MEMBERS OF ARHAM TECHNOLOGIES LIMITED REGARDING 12TH ANNUAL GENERAL MEETING (AGM) AND E-VOTING INFORMATION

1. Notice is hereby given that the 12th Annual General Meeting ("AGM") of Arham Technologies Limited ("the Company") will be held on Thursday, 25th September 2025 at Plot No. 15 Electronic Manufacturing Cluster, Sector 22, Village Tuta, Atal Nagar, Nava Raipur, Chhattisgarh, India, 492015, in compliance with the applicable provisions of the Companies Act, 2013 and the Rules made thereunder and Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ("LODR Regulations"), read with the General Circulars / Notifications issued by the Ministry of Corporate Affairs ("MCA") and SEBI (collectively referred to as "applicable circulars"), to transact the business as set out in the Notice calling the AGM dated Saturday 30th August, 2025.
2. Pursuant to the provisions of Section 108 of the Companies Act, 2013 read with Rule 20 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 (as amended) and Regulation 44 of SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations 2015 (as amended) the Company is offering e-voting facility to all the respected members to enable them to cast their valuable vote on the item of business to be transacted at the meeting.
3. Notice of AGM has been sent on Saturday, 30th August, 2025 only through electronic mode to those Shareholders whose email ids are registered with the Company/ Depositories/ Depository Participants/ RTA and appearing as on Friday, 22nd August, 2025.
4. Shareholders may note that Notice of AGM along with instructions for e-voting are also be available on the Company's website https://www.arhamtechnologies.co.in/ and on the website of stock exchange at https://www.nseindia.com
5. A person, whose name is recorded in the register of members or in the register of beneficial owners maintained by the depositories as on the cut-off date, i.e., Thursday 18th September, 2025 only shall be entitled to avail the facility of remote e-voting, voting through ballot form / polling paper at AGM.
6. The Company is providing to its members' facility to exercise their right to vote on resolutions proposed to be passed at the AGM by electronic means (**"e-voting"**). The Company has engaged the services of National Securities Depository Limited (**NSDL**) to facilitate e-voting. Members may cast their votes remotely, using the electronic voting system available on the website of National Securities Depository Limited (**NSDL**) (agency for providing the Remote e-Voting facility) i.e. https://www.evoting.nsdl.com.
7. The facility for voting through polling paper shall be made available at the meeting and the members attending the meeting who have not cast their vote by remote e-voting shall be able to vote at the Meeting through polling paper or Ballot form.
8. A member can opt for only single mode of voting i.e., either through e-voting or by Ballot Form. If a member cast votes by both modes, e-voting shall prevail and vote by Ballot shall be treated as invalid. The members who have cast their vote by remote e-voting/ballot form may also attend the meeting but shall not be entitled to cast their vote again.
9. In case of any queries, you may refer to the Frequently Asked Questions (FAQs) for members and e-voting user manual for members available at the Downloads sections of https://www.evoting.nsdl/.com or call us at: 1800 1020 990 and 1800 22 44 30.
10. Information and instructions including details of user-id and password relating to voting have been sent to the members through email. Members who do not receive email whose email addresses are not registered with the Company/RTA, may generate login credentials by following the instructions given in the 'Notes' forming part of the Notice convening the AGM.
    a. The remote e-voting facility will be available during the following period:
    Commencement of remote e-voting : Monday 22nd September, 2025 9:00 AM
    End of remote e-voting : Wednesday 24th September, 2025 till 5:00 PM
    b. The remote e-voting module shall be disabled by National Securities Depository Limited (**NSDL**) for voting thereafter. The Members, whose names appear in the Register of Members / Beneficial Owners as on the record date (cut-off date) i.e., Thursday 18th September, 2025 may cast their vote electronically.
11. The Register of Members and Share Transfer Books of the Company shall remain closed from From Friday, 19th September, 2025 to Thursday 25th September, 2025 (both days inclusive) for taking record of the Members of Company for the purpose of 12 (Twelth) AGM.
12. **Manner of registering / updating email id with the Company/ Depositories:**
    a. For Demat shareholders - Please update your email id & mobile no. with your respective Depository Participant (DP).
    b. For Individual Demat shareholders – Please update your email id & mobile no. with your respective Depository Participant (DP) which is mandatory while e-Voting.

All grievances connected with the facility for voting by electronic means may be addressed to National Securities Depository Limited (**NSDL**) through an email evoting@nsdl.co.in or call us at 1800 1020 990 and 1800 22 44 30.

For **Arham Technologies Limited**
Sd/-
Pooja Gandhewar
Company Secretary & Compliance Officer

Place: Raipur
Date: 31.08.2025

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

91 लीटर महुआ शराब के साथ दो आरोपीयो को पामगढ़ पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा / 91 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ दो आरोपीयों को पामगढ़ पुलिस ने पकड़ा है । ज्ञात हो कि विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में जिले में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लाने के लिए जिला पुलिस जांजगीर द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप एवं जितेन्द्र खुंटे उप पुलिस अधीक्षक अजाक जांजगीर के मार्गदर्शन में थाना पामगढ़ पुलिस द्वारा अवैध शराब बिक्री करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही किया गया । मुखबिर सूचना पर रेड कार्यवाही कर आरोपी छबि लाल भारद्वाज निवासी भूईगांव के कब्जे से 21लीटर अवैध कच्ची महुआ एवं आरोपी पिंकू मनहर भुईगांव के कब्जे से 70 लीटर अवैध कच्ची महुआ जुमला कीमती 182000 रूपए बरामद कर आरोपियो के विरुद्ध थाना पामगढ़ में अपराध क्रमांक 384/25 एवं 385/25 दोनों धारा 34(2) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर आरोपीयो को विधिवत गिरफ्तार कर आज दिनांक 30 अगस्त 25 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक मनोहर सिन्हा थाना प्रभारी पामगढ़, स.उ.नि. संतोष बंजारे, प्रधान आर. राजेश कोसले, आर. महेन्द्र राज, राघवेन्द्र कुमार, श्याम सरोज ओग्रे, हर प्रसाद सिन्हा , अजीमा बंजारे एवं थाना पामगढ़ स्टाफका योगदान रहा।

लायंस इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

जांजगीर चांपा / लायंस इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों के लिए खो-खो, रस्साकशी और रिले रेस जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिससे बच्चों में खेल भावना और टीम भावना को प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में लायंस क्लब, चांपा के पदाधिकारी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसमें लायन रामप्रप्पन देवांगन (चेयरमैन), लायन संतोष सोनी (प्रेसिडेंट), लायन डॉ. वाई.के. शर्मा तथा लायन बजरंग अग्रवाल शामिल थे। सभी अतिथियों ने विद्यालय परिवार के साथ मिलकर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपने संबोधन में लायन रामप्रप्पन देवांगन ने खेलों से अनुशासन और नेतृत्व गुण विकसित होने पर बल दिया। लायन संतोष सोनी ने छात्रों को सक्रिय रहने और जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा दी। लायन डॉ. वाई.के. शर्मा ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया, वहीं लायन बजरंग अग्रवाल ने मेजर ध्यानचंद के आदर्शों का अनुसरण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने उठाया खाद की किल्लत का मुद्दा, जताई नाराज़गी
जिला पंचायत-सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आयोजित

जांजगीर-चांपा। जिला पंचायत-सामान्य प्रशासन समिति की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरी की अध्यक्षता में दोपहर 2 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गगन जयपुरिया सहित समिति के सभापति एवं सदस्य श्रीमती प्रियंका सिंह क्षत्री, श्रीमती प्रमिला साहू, श्री महादेव नेताम, श्रीमती बबीता रात्रे, श्रीमती मोहन कुमारी साहू, सुश्री आशा साव, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, उप संचालक श्री अभिमन्यु साहू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में विभिन्न विभागों की कार्यप्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में उद्योगों से पर्यावरण प्रदूषण की समस्या सामने आ रही है। इस संबंध में समिति ने निर्णय लिया कि उद्योग एवं पर्यावरण से संबंधित जनसुनवाई बैठकों की सूचना जिला पंचायत सदस्यों को भी अनिवार्य रूप से दी जाए, ताकि वे भी आमजन के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की स्थिति की भी समीक्षा की गई। सदस्यों ने कहा कि राशन दुकानों का खुलने और बंद होने का समय निर्धारित होना चाहिए, जिससे हितग्राहियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिले में किसानों को खाद एवं बीज की उपलब्धता पर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि किसानों को खेती-किसानी के लिए खाद बीज की कमी महसूस न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएँ समय पर सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। सदस्यों ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में मरीजों को समय पर उपचार मिल सके, इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति अनिवार्य की जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका नियमित रूप से उपस्थित रहें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित निगरानी की जाए और अनुपस्थित पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। बैठक में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। सदस्यों ने कहा कि सभी निर्माण कार्य समय-सीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाने चाहिए। बैठक में यह निर्देश दिए गए कि हैंडपंपों की मरम्मत एवं पेयजल योजनाओं का रखरखाव नियमित रूप से किया जाए, ताकि लोगों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े। सदस्यों ने कहा कि किसानों को उनकी फसलों की सिंचाई के लिए नहरों से समय पर और पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति बैठक में विभागीय बजट एवं अधिकारियों कर्मचारियों की जानकारी ली गई। इस दौरान अध्यक्ष ने कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी बैठक में समय पर उपस्थित रहें और जो अधिकारी अनुपस्थित पाए गए, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए।

प्राण घातक हमला करने वाले तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

जांजगीर चांपा /

पुरानी रंजीश को लेकर प्राणघातक हमला के तीन आरोपीयों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार आरोपीयों में कमलेश देवांगन हनुमान धारा चांपा , अखिलेश देवांगन हनुमान धारा चांपा , पंचराम पटेल हनुमान धारा चांपा शामिल है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी नवीन देंवागन थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 28 अगस्त 25 के रात्रि 9:30 बजे उसका भाई धीरज देवांगन अपने दुकान कचहरी चौक को बंद कर रहा था । उसी समय सभी आरोपियों द्वारा एक राय होकर पुरानी रंजीश की बात को लेकर एवं जान से मारने की नियत से लोहे के लेग गार्ड, डंडा एवं चाकु नुमा हथियार से मारपीट किए । मारपीट होता देख पास का दुकानदार बीच बचाव करने आया तो उसके साथ भी मारपीट किए जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपियों के अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में तीनों आरोपियों के विरुद्ध थाना जांजगीर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार करने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय थाना प्रभारी जांजगीर एवम उपनिरीक्षक सत्यम चौहान का सराहनीय योगदान रहा।

प्रतिबंधित नशीली दवाओं की बिक्री रोकने के लिए मेडिकल संचालकों की ली गई बैठक

जांजगीर चांपा / संवाददाता। प्रतिबंधित नशीली दवाओं की बिक्री रोकने के लिए आज पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप द्वारा मेडिकल दुकान संचालकों की बैठक लेकर अनेक निर्देश दिया गया है । बैठक दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी मेडिकल दुकानदारों को प्रबंधित नशीली दवाओं की बिक्री के संबंध में बिन्दुवार आवश्यक निर्देश दिए गए जिसमें प्रतिबंधित या नशीली दवाइयों की बिक्री केवल पंजीकृत डॉक्टर द्वारा जारी वैध पर्ची पर करने , सभी पर्चियों एवं बिक्री का रिकॉर्ड सुरक्षित रखें तथा आवश्यकता पड़ने पर विभाग को प्रस्तुत करे . नाबालिगों अथवा बिना पर्ची के किसी भी ग्राहक को ऐसी दवाइयाँ किसी भी स्थिति में न बेचें , नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित दुकानदार के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही (लाइसेंस रद्द, एफआई.आर., गिरफ्तारी इत्यादि) की जाएगी।

जांजगीर चांपा पुलिस का उद्देश्य समाज में नशीले पदार्थों की रोकथाम करना एवं युवाओं को इस बुराई से बचाना है अतः सभी मेडिकल स्टोर संचालक नियमों का पालन सुनिश्चित करें और सहयोग प्रदान करें। आहूत बैठक में श्री नरेश अग्रवाल प्रांतीय औषधी विक्रेता संघ छग, श्री अविनाश शर्मा अध्यक्ष, जितेंद्र केसरवानी उपाध्यक्ष, दीपक गोयल कोसा अध्यक्ष, नरेश अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती कविता ठाकुर, जिले की ड्रग इंस्पेक्टर भुनेश्वर मोहले सहित मेडिकल संचालक शामिल रहे।

शराब के नशे में गणेश पंडाल पर हंगामा
आरोपियों को चांपा पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

जांजगीर चांपा /

शराब के नशे में गणेश पंडाल पहुंचकर हंगामा करते हुए धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले दो आरोपीयों को चांपा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है । घटना का विवरण इस प्रकार है कि थाना चांपा क्षेत्रांतर्गत ग्राम कुरदा के कबीर चौक में गणेश पूजा पंडाल बना हुआ है। आज दिनांक 30 अगस्त 2025 को सुबह दो सामाजिक तत्व शराब के नशे में वहाँ पहुँचे और हंगामा करने लगे। इस दौरान पंडाल में उपस्थित समिति के सदस्यों से विवाद हुआ तथा दोनों ने आवेदक राजू दास महंत के साथ मारपीट भी की । घटना की सूचना पाकर थाना चांपा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों वीरेंद्र बंजारे एवं मंजूलाल उर्फ राजेश बंजारे निवासी कुरदा को पकड़ा जिसके विरुद्ध विधिवत कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। इस मामले में थाना चांपा में धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले सहित विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। ग्राम कुरदा में वर्तमान में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस बल तैनात किया गया है। इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता सहित पुलिस टीम का विशेष योगदान रहा।

मनरेगा से डबरी निर्माण से बदली संतोष की किस्मत

परेशानियों से मिली किसान को राहत, डबरी बनी सफलता की कुंजी

जांजगीर-चांपा / जिले की जनपद पंचायत बलौदा के ग्राम खैजा में महात्मा गांधी नरेगा योजना से एक बड़ी सफलता की कहानी सामने आई है। ग्राम के किसान श्री संतोष कुमार/बाबूराम की निजी भूमि पर लगभग 2.92 लाख रुपए की लागत से डबरी (छोटा तालाब) का निर्माण किया गया। इस कार्य से न केवल 552 मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ बल्कि गांव के 13 परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ भी मिला। मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत जिले में सतत रूप से गतिविधियां भी संचालित की जा रही है।

संतोष कुमार पाटले बताते है कि वे पहले बतख का पालन करते थे, डबरी नही होने से पहले वह छोटा गड्ढा खोदकर बतखों का पालन कर रहे थे। निजी डबरी निर्माण होने से पहले संतोष बेहद परेशान रहते थे, क्योंकि उनके खेतों में साल भर पानी की उपलब्धता नहीं होने से उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में एक दिन उन्हें रोजगार सहायक के माध्यम से जल संरक्षण के तहत निजी डबरी निर्माण से होने वाले फायदे के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने आवयक दस्तावेज सहित आवेदन ग्राम सभा में दिया और ग्राम सभा से यह प्रस्ताव पास हुआ, तो तकनीकी प्रस्ताव तैयार कर उसे जनपद पंचायत के माध्यम से जिला पंचायत प्रशासकीय स्वीकृति के लिए भेजा गया। इसके बाद संतोष कुमार की जिंदगी में बदलाव आया जब उनके खेतों में डबरी निर्माण को लेकर 2 लाख 92 हजार रूपए की प्राासकीय राशि स्वीकृत दी गई। इसके बाद फिर काम शुरू हुआ और महात्मा गांधी नरेगा के जॉबकार्डधारी परिवारों ने मिलकर श्री संतोष कुमार पाटले की डबरी का निर्माण कर दिया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना से उनके स्वयं के जमीन पर डबरी निर्माण होने अब वे बतखो का पालन शुरू किये और अभी वह मछली पालन का कार्य कर रहे हैं। इससे उन्हें डबरी में मछली से हर साल 25 हजार से 30 हजार की अतिरिक्त आय हो रही है। अब खेतों की सिंचाई आसानी से हो पा रही है, जिससे धान और अन्य फसलों का उत्पादन बढ़ा है। डबरी के पानी से पशुओं के लिए भी पानी की पर्याप्त व्यवस्था हो गई।

संतोष कुमार पाटले ने कहा मनरेगा योजना ने मेरी जिंदगी बदल दी। पहले खेतों में पानी की समस्या रहती थी और आमदनी सीमित थी, लेकिन अब डबरी से खेती आसान हो गई है। मछली पालन और सिंचाई से आमदनी में अच्छी खासी बढ़ोतरी हो रही है। ग्राम पंचायत खैजा के सरपंच और रोजगार सहायक ने बताया कि डबरी निर्माण से गांव में कृषि उत्पादन, मछली पालन और पशुपालन को नई दिशा मिली है। इससे न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति सुधरी है बल्कि मनरेगा योजना की सार्थकता भी गांव-गांव में दिखाई दे रही है।

अवैध फटाखा रखने वाले के विरुद्ध की गई कार्यवाही

जांजगीर चांपा / जांजगीर शहर के रिहायशी इलाके में अवैध फटाका रखने वाले के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने कार्यवाही किया है। ज्ञात हो कि अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जिले में अवैध फटाका की भंडारण एवं बिक्री पर अंकुश लाने के लिए जिला पुलिस जांजगीर द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं सीएसपी श्रीमती कविता ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना जांजगीर पुलिस द्वारा अवैध रूप से फटाखा बिक्री हेतु रखने वाले के विरुद्ध मुखबिर सूचना पर रेड कार्यवाही किया गया । कार्यवाही में सागर खत्री उम्र 25 साल निवासी अकलतरा रोड जांजगीर के कब्जे से अवैध रूप से 2 कार्टून में रखे विभिन्न फटाखा कीमती लगभग 8 हजार रुपए को बरामद कर आरोपी के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही किया गया है।
उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक भवानी सिंह चौहान, उप निरीक्षक सत्यम कुमार चौहान, प्र.आर. राजकुमार चंद्रा, प्रकाश राठौर, आर. राजू लाठे वाल एवं समस्त थाना स्टाफका सराहनीय योगदान रहा.

ब्यास कश्यप के प्रयास से सरखों-पाली सड़क निर्माण की मिली स्वीकृति

जांजगीर-चांपा / विधायक ब्यास कश्यप के प्रयास से ग्राम सरखों से औराईकला नहर पार होते हुए पाली पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति आदेश जारी हुआ है। विदित हो कि जांजगीर-चांपा जिले के कुल 14 प्रमुख मार्गो के निर्माण के लिए विधानसभा के बजट सत्र 2024-25 में शामिल करने हेतु प्रस्ताव विधायक ब्यास कश्यप के द्वारा लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री अरूण साव को दिया गया था। इन्हीं में सरखों औराईकला नहर पार होते हुए पाली पहुंच मार्ग लंबाई ×.20 कि.मी. भी शामिल है। इसकी स्वीकृति बजट सत्र 2024-25 में दी जा चुकी थी तथा प्रशासकीय स्वीकृति दिनांक 14.08.2025 को विभाग के द्वारा जारी कर दी गई है। ×.20 किलोमीटर लंबी इस मार्ग के निर्माण के लिए 4 करोड़ ×6 लाख × हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस बहुप्रतिक्षित सड़क के निर्माण हो जाने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। इस सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने से क्षेत्रवासियों में हर्ष है तथा उन्होंने जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप के प्रति आभार प्रकट किया है।

दिशा समिति की बैठक 3 सितम्बर को

जांजगीर-चांपा / लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े की अध्यक्षता में 3 सितम्बर को प्रातः 11 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में दिशा समिति की बैठक आयोजित की गई है। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने सभी संबंधित सदस्यों को बैठक में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

खेल राष्ट्र निर्माण का आधार : तोखन साहू

राष्ट्रीय खेल दिवस पर हुआ सांसद खेल महोत्सव का आगाज़

बिलासपुर संवाददाता।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू के मुख्य आतिथ्य में आज स्व. बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, पूर्व मस्तुरी विधायक कृष्णमूर्ति बांधी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी एवं भूतपूर्व ओलम्पियन व हॉकी हेड कोच अजीत इमानुएल लकड़ा के द्वारा मेजर ध्यानचंद जी की प्रतिमा में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के द्वारा खिलाड़ियों को फिट इण्डिया शपथ दिलाई गई। कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, दीपक सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि खेल राष्ट्र निर्माण का आधार है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि यदि राष्ट्र को विकसित बनाना है तो युवाओं को स्वस्थ और फिट रहना होगा। युवाओं को स्वस्थ और फिट रहने के लिए उन्हें खेल के मैदान में भी उतरना होगा, जिससे कि खेल के क्षेत्र में भी भारत देश का राष्ट्रीय ध्वज पूरे विश्व में सर्वोपरि हो। उन्होंने युवाओं को अपने संबोधन में बताया कि, फिटनेस से केवल शारीरिक मजबूती ही नहीं अपितु एक गौरवशाली राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि गौरवशाली विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए खेल एक माध्यम है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया जैसी बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप भारत के खिलाड़ी एशियाई खेलो, ओलम्पिक खेलो, कॉमनवेल्थ खेलो में एतिहासिक प्रदर्शन कर रहे है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा ÷राष्ट्रीय खेल दिवस÷ के दिन ही फिट इण्डिया मूवमेंट का शुभारंभ किया गया था, इसी तारतम्य में भारत सरकार द्वारा भारत के समृद्ध खेल विरासत का उत्सव मनाने और मेजर ध्यानचंद जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने, ओलम्पिक मूल्यों में राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह को समाहित करके, पूरे देश को ईमानदारी, महत्वाकांक्षा और सामूहिक भावना के साझा दृष्टिकोण के साथ एकजुट करने और मजेदार और प्रतिस्पर्धात्मक खेलों के माध्यम से शारीरिक सक्रियता, समावेशिता और टीमवर्क को प्रोत्साहित करने हेतु जनसामान्य को खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से इस वर्ष 29 से 31 अगस्त 2025 तक राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के राष्ट्रव्यापी आयोजन किया जा रहा है।

सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ – राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के द्वारा सांसद खेल महोत्सव पोर्टल का शुभारंभ किया गया और सांसद खेल महोत्सव हेतु बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए पहला पंजीयन भी किया गया।

उल्लेखनीय है कि, इस वर्ष भारत सरकार के निर्देशानुसार खेल और फिटनेस के माध्यम से सभी समुदाय को एक साथ लाने, युवाओं में खेल संस्कृति और लीडरशिप को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 21 सितम्बर से 25 दिसम्बर 2025 तक सांसद खेल महोत्सव का आयोजन भी किया जाना है। जिसका पंजीयन 29 अगस्त 2025 से 20 सितम्बर 2025 तक होना है।

केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के द्वारा ÷सांसद खेल महोत्सव÷ के पोर्टल में स्वयं का पंजीयन कर अधिकाधिक संख्या में भाग लेते हुए माननीय प्रधानमंत्री के फिट युवा विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए युवाओं को आह्वान किया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित हुआ हॉकी का खेल

– राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर स्व. बी. आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र स्थित हॉकी मैदान में आवासीय अकादमी बहतराई, छत्तीसगढ़ हॉकी व हॉकी बिलासपुर के खिलाड़ियों को दो दलों अशोक ध्यानचंद 11 एवं धनराज पिल्ले 11 में विभक्त कर सद्भावना मैच का आयोजन किया गया, जिसमें अशोक ध्यानचंद 11 ने धनराज पिल्ले 11 को 5-2 के अंतर से जीत दर्ज की। इस अवसर पर मैच के पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री ने खिलाड़ियों से परिचय लिया और स्वयं भी हॉकी स्टिक लेकर पेनाल्टी शूट आऊट कर खेल में हिस्सा लिया। इस सफल आयोजन में सहायक संचालक खेल विभाग ए. एक्का, खेल अधिकारी सुशील अमलेश, हेड कोच जसविंदर सिंह भाटिया (द्रोणाचार्य आवार्डी), अजीत. ई. लकड़ा (पूर्व ओलम्पियन), वरिष्ठ प्रशिक्षक दिल कुमार राठौर, हरगुलशन सिंह, राकेश टोप्पो, साजिद खान जिला क्रीड़ा अधिकारी, मनीष श्रीवास्तव महासचिव छत्तीसगढ़ हॉकी, अमरनाथ सिंह महासचिव छ.ग. एथलेटिक संघ, प्रदीप यादव महासचिव छ.ग. कबड्डी संघ, अख्तर खान संयुक्त सचिव छ.ग. बेसबॉल संघ, अमित तिवारी व्यायाम अनुदेशक, खेल विभाग व खेलो इंडिया स्टेट सेंटर व अन्य विभागों के समस्त कर्मचारियों के साथ, खेल संघ के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

खास खबर

चरस तस्करी में संलिप्त दो आरोपी गिरफ्तार, 16.8 ग्राम चरस जब्त

कोरबा । जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। टी.पी. नगर क्षेत्र में चरस की अवैध बिक्री की सूचना पर दबिश देकर पुलिस ने दो आरोपियों को 16.8 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुनाल सलुजा (24 वर्ष, निवासी टी.पी. नगर) और तुषार लालवानी (निवासी ट्रांसपोर्ट नगर) के रूप में हुई है। आरोपियों से चरस के साथ बिक्री का लेखा-जोखा, रोलिंग पेपर और फिल्टर टिप भी बरामद किया गया।

मामले में थाना सिविल लाइन में अपराध दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में एएसपी नितीश ठाकुर सहित पुलिस अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे नशे के खिलाफ इस अभियान में सहयोग करें और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेष हेतु परीक्षा परिणाम, चयन सूची व प्रतीक्षा सूची जारी

चयनित विद्यार्थियों को प्रयास आवासीय विद्यालय डिंगापुर में 30 अगस्त तक उपस्थित होने के निर्देष

कोरबा। प्रयास बालक/कन्या आवासी विद्यालय कोरबा में कक्षा 11 वीं में रिक्त 20 सीटों पर प्रवेष हेतु प्रवेष प्राक्रयन परीक्षा 24 अगस्त को आयोजित किया गया था। जिसमें कूल 66 में से 55 विद्यार्थी उपस्थित हुए थे। पेपर जांच पष्चात परीक्षा परिणाम, चयन सूची व प्रतीक्षा सूची जारी कर दी गई है।

सूची का अवलोकन कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा व प्रयास आवासीय विद्यालय में किया जा सकता है। चयनित विद्यार्थियों को आवष्यक दस्तावेज के साथ 30 अगस्त तक प्रयास आवासीय विद्यालय डिंगापुर कोरबा में उपस्थित होने निर्देषित किया गया है।

एनटीपीसी सीपत में मजदूरों की हड़ताल : वेतन वृद्धि और सुरक्षा उपकरणों की मांग

400 मजदूर आंदोलन में शामिल

कोरबा । कोरबा में एनटीपीसी सीपत के लगभग 400 मजदूर देव शिल्पी मजदूर कल्याण समिति के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। मजदूरों की प्रमुख मांग वेतन वृद्धि और समय पर सुरक्षा उपकरण की उपलब्धता है। समिति के अध्यक्ष शिव कुमार पटेल ने बताया कि संसद और एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनमोहन राठौर ने इस मुद्दे पर पत्र लिखा था। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

कोरबा के शिक्षक ने अनुपयोगी सामानों का पाठ्यक्रम सामाग्री के रुप में किया उपयोग नवाचार और रोचक शिक्षा के लिए राष्ट्रपति के हाथों रजत पदक से होंगे सम्मानित

कोरबा संवाददाता।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में संचालित पी एम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सलोरा के शिक्षक (व्याख्याता) संतोष कुमार चैरसिया का चयन राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 के लिए किया गया है। संतोष कुमार चैरसिया, अपने विद्यार्थियों के लिए विज्ञान को रोचक बनाकर उन्हें शिक्षित करने, छोटे- छोटे घरेलू अवशेष, कूड़े और बचे हुए सामाग्रियों से टीचिंग लर्निंग मटेरियल (टीएलएम) के जरिए पढ़ाते हैं। इससे विद्यार्थियों का समग्र मानसिक विकास के साथ ही उनमें विज्ञान के प्रति रुचि भी पैदा होती है। इस उपलब्धिपूर्ण कार्य के लिए उनका चयन इस बार राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर पांच सितंबर को विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रजत पदक से सम्मानित करेंगी। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग भारत सरकार श्की ओर से राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 के लिए

चयनित शिक्षकों के नामों की सूची जारी की गई है। इसमें पीएमश्री नवोदय विद्यालय सलोरा में पदस्थ रसायन विज्ञान के व्याख्यता संतोष कुमार चैरसिया राष्ट्रपति से कुमार चैरसिया का भी चयन किया गया है।

कोरोना काल में पीएम विद्या चैनल पर पढ़ाया शिक्षक दिवस पर सम्मानित होने जा रहे संतोष कुमार चैरसिया कोरोना काल के समय पीएम विद्या चैनल के माध्यम से बच्चों को पढ़ाते थे। इसके अलावा विज्ञान शिक्षकों को विद्यार्थियों को रोचक शिक्षा के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षा के क्षेत्र में कई अन्य नवाचारी उपब्धियां उनके नाम शामिल हैं। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, कोरबा की प्राचार्य श्रीमती पीआर शंकरी ने कहा कि यह अवार्ड, विद्यालय, जिला और पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय है, जो विद्यार्थियों की हमारे एक प्रतिभाशाली शिक्षक संतोष कुमार चैरसिया सारे पड़ाव सफलता पूर्वक पार कर राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित हुए। निश्चित तौर पर श्री चैरसिया देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरक मिसाल साबित हुए।

कुल 20 बिंदुओं की कठिन कसौटी में खुद को खरा साबित करने वाले छत्तीसगढ़ समेत देशभर के विभिन्न राज्यों से 45 शिक्षकों का चयन किया गया है। इनमें पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सलोरा कोरबा के रसायन शिक्षकध् व्याख्याता संतोष कुमार चैरसिया के अलावा छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से शासकीय मिडिल स्कूल हनोदा की शिक्षिका डॉ प्रज्ञा सिंह भी शामिल हैं। इस संबंध में स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार की ओर से चयनित शिक्षकों की सूची के साथ पुरस्कार समारोह का कार्यक्रम एवं आमंत्रण भेजा गया है। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 के लिए चयनित शिक्षकों के नामों की लिस्ट जारी की है।

पुरस्कार के साथ योग्यता प्रमाण पत्र, 50,000 का नकद पुरस्कार और रजत पदक

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग भारत सरकार के डायरेक्टर भगवती प्रसाद कलाल द्वारा सोमवार 25 अगस्त को जारी दिशा निर्देश में बताया गया है कि चयनित शिक्षकों को पुरस्कार के साथ एक योग्यता प्रमाण पत्र, 50,000 रुपये का नकद पुरस्कार और एक रजत पदक प्रदान किया जाएगा। समारोह में

बिलासपुर जिले में अब तक 831 मि.मी. बारिश दर्ज

बिलासपुर । बिलासपुर जिले में चालू खरीफ मौसम में अब तक 831 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है। जो कि पिछले 10 वर्ष के औसत बारिश 827.8 मि.मी. से 3.2 मि.मी. अधिक है। अधीक्षक भू अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार सबसे अधिक बारिश 1054.1 मि.मी. बेलगहना तहसील में और सबसे कम बारिश 690.8 मि.मी. कोटा में रिकार्ड की गई है। इसी प्रकार बिलासपुर तहसील में 945.5 मि.मी., बिल्हा तहसील में 710.9 मि.मी., मस्तूरी में 723.7 मि.मी.,तखतपुर में 1018.6 मि.मी., सीपत में 781.6 मि.मी., बोदरी में 716 मि.मी., बेलतरा में 795 मि.मी., रतनपुर में 862.3 मि.मी., सकरी में 919 मि.मी. और पचपेड़ी तहसील में 754.6 मि.मी. बारिश रिकार्ड की गई है। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1202.3 मि.मी. है।

राशन दुकान संचालन के लिए आवेदन 19 सितम्बर तक

बिलासपुर । जिले के मस्तुरी विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य की दुकान विद्याडीह, केवटाडीह (भूतहा), बेलटुकरी, रलिया एवं गुड़ी के आबंटन के लिए मस्तुरी विकासखण्ड के पात्र समूह, एजेंसी अथवा संस्थाओं से 19 सितम्बर 2025 तक सील बंद लिफाफे में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। ग्राम पंचायत एवं स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम, वृहदाकार आदिम जाति बहुदेशीय सहकारी समिति एवं वन सुरक्षा समितियों के आवेदन ही स्वीकार किये जाएंगे। सहकारी समितियों एवं महिला स्व सहायता समूहों को दुकान आबंटन हेतु आवेदन करने की तारीख से कम से कम 3 माह पूर्व पंजीकृत होना अनिवार्य है। आवेदन करने वाली सहकारी समिति एवं महिला स्व सहायता समूह वर्तमान में कार्यरत हो तथा उसे सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव हो। आवेदन

केवल निर्धारित प्रारूप में सील बंद लिफाफे में ही स्वीकार किया जाएगा। बंद लिफाफे के ऊपर शासकीय उचित मूल्य की दुकान विद्याडीह, केवटाडीह, बेलटुकरी, रलिया, गुड़ी के संचालन हेतु आवेदन पत्र अनिवार्य रूप से लिखा होना चाहिए। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 19 सितम्बर शाम 5 बजे तक है। नियत तिथि एवं समय के पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

आवेदन करने के लिए समूह, समिति के पंजीयन की सत्यापित एवं स्व प्रमाणित प्रतिलिपि, बैंक खाते की सत्यापित, स्व प्रमाणित प्रतिलिपि एवं पिछले 3 माह का स्टेटमेंट, समूह एवं समिति के सभी सदस्यों का पहचान पत्र या आधार कार्ड की स्व प्रमाणित प्रतिलिपि एवं समूह, समिति एवं एजेंसी का शपथ पत्र आदि होना आवश्यक है।

शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ

बिलासपुर विधायक ने बच्चों को विटामिन ए सिरप पिलाकर अभियान का किया शुभारंभ

बिलासपुर स्वास्थ्य विभाग द्वारा 29 अगस्त से 30 सितम्बर 2025 तक शिशु संरक्षण माह का आयोजन किया जा रहा है। एक माह तक चलने वाले अभियान का शुभारंभ बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने जिला अस्पताल में बच्चों को विटामिन ए सिरप पिलाकर किया। अभियान के तहत 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को आयरन सिरप एवं 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए सिरप पिलाई जाएगी। जिला

अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में नगर विधायक अमर अग्रवाल ने सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि अपने छोटे बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए उन्हें विटामिन ए एवं आयरन सिरप अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य पर ही भविष्य की नींव है। उनके स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना हम सबकी जिम्मेदारी है। महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने भी सभी से अभियान में सहभागी बनने की अपील की। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने भी नन्हें बच्चों को विटामिन ए की सिरप पिलाई। उन्होंने जिले के अभिभावको से अपील की वे अपने और अपने आसपास के 06 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को कुपोषण जनित बीमारियों से बचाने के लिये अपने बच्चों को नजदीक के शासकीय अस्पताल/टीकाकरण सत्र में ले जाकर विटामिन ए तथा आयरन सिरप का घोल आवश्यक रूप से पिलाएं साथ ही टीकाकरण से छूटे बच्चों का टीकाकरण अवश्य करायें। कार्यक्रम में बच्चों के नियमित टीकाकरण, कुपोषण से बचाव एवं गर्भवती माताओं में होने वाली खून की कमी को दूर करने के उपायों के बारे में भी जानकारी दी गई। शुभारंभ कार्यक्रम में सीएमएचओ डा. शुभा गढ़ेवाल, जिला टीकाकरण अधिकारी, सिविल सर्जन डॉ. अनिल गुप्ता, डीपीएम सुश्री पीयूली मजूमदार, प्रभारी आरएमएनसीएचए, डीपीएचएन सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी

पूजा करनी है तो प्रकृति की करें, व्यक्ति की नहीं-पंडित विजय शंकर मेहता

लोकशक्ति

कोरबा । पितृमोक्षार्थ गयाश्राद्धांतर्गत मातनहेलिया परिवार द्वारा जश्न रिसोर्ट कोरबा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा वाचक पंडित विजय शंकर मेहता ने गुरूवार को बड़े ही मार्मिक कथा सुनाई। कथा में विरह थी, माता-पिता के साथ संतान का बिछुड़ना, कृष्ण के साथ गोपी-गोपियों का बिछुड़ना, नंदराय-यशोदा के साथ कृष्ण का बिछुड़ना था। भगवान श्रीकृष्ण वृंदावन छोड़कर मथुरा गमन कर गए और कंस को मारकर 11 साल से कारागार में बंद अपने पिता वासुदेव और देवकी को छुड़ाना था। एक तरफनंदराय-यशोदा के साथ विरह तो दूसरी ओर वासुदेव-देवकी के साथ मिलन की परमानुभूति थी। मार्मिक कथा सुनकर स्वयं कथा वाचक पंडित विजय शंकर मेहता की आंखों में आंसू बह रहे थे तो दूसरी ओर श्रोतगण भी जीवन में विरह की कथा सुनकर भावुक होकर आंसू बह रहे थे। कथा जब संगीतमय मिल रही थी तो श्रोताओं के मन में कथा का प्रसंग आंखों में तैरने लगे और भगवान कृष्ण का मथुरा गमन के समय मां यशोदा की तीक्ष्ण और मार्मिक बातों का कृष्ण के पास कोई जवाब नहीं था। माता यशोदा को श्रीकृष्ण ने बस यही कहा-मां मुझे बड़ा काम करना है और धर्म की संस्थापना करनी है। भगवान कृष्ण ने कई राक्षसों सहित कंस को मारकर हिंसा का इतिहास बंद किया, वासुदेव-देवकी को कारागार से मुक्त किया और हस्तिनापुर जाने की तैयारी की कथा सुनाई और कहा कि मुझे महाभारत के जरिए धर्म की स्थापना करनी है। कृष्ण-रूक्मिणी विवाह की मनोरम कथा भी सुनाई।

इस कथा के पूर्व पंडित विजय शंकर मेहता ने भगवान कृष्ण की वह लीला सुनाई, जब कृष्ण 7 साल के थे। कृष्ण ने देखा पूरा ब्रजवासी हाथ में थाली सजाकर घर से निकल रहे थे। कृष्ण ने मां यशोदा से पूछा- मां सभी ब्रजवासी कहां जा रहे हैं। उत्तर मिला-मानसून का समय आ रहा है और हम अच्छी वर्षा के लिए इंद्र की पूजा करने जा रहे हैं। भगवान ने इंद्र की पूजा रूकवाई और गोवर्धन की पूजा की। इंद्र रूष्ट हो गए, सात दिन तक भयंकर वर्षा हुई, सात साल के बालक ने एक ऊंगली में गोवर्धन को उठाया और ब्रजवासियों की रक्षा की। इंद्र का घमंड चूर हुआ। इंद्र आए तो कृष्ण से पूछा- आपने ऐसा क्यों किया? कृष्ण ने कहा-तुम लोगों के लिए बारिश का माध्यम हो, इस उपकार के बदले खुद की पूजा कराना भ्रष्टाचार है। कृष्ण ने कहा- प्रकृति की पूजा करें, व्यक्ति की नहीं।

प्रकृति से प्रेम करें, एक-एक पेड़ का मान बढ़ाएं

जीवन प्रबंधन गुरू एवं कथा वाचक पंडित मेहता ने कहा कि जीवन तभी समृद्ध और खुशहाल होगा, जब प्रकृति आबाद रहेगी।

घर के आंगन में बैठा विशाल काय किंग कोबरा, कोरबा वन मण्डल के मार्गदर्शन में जितेंद्र सारथी ने किया गया सफल रेस्क्यु

कोरबा संवाददाता।

कोरबा जिला अपनी समृद्ध जैव-विविधता और दुर्लभ वन्यजीवों के लिए जाना जाता है। यहां कई बार ऐसे जीव देखने को मिलते हैं जिनसे आम लोग चकित रह जाते हैं। इसी कड़ी में जिले के मदनपुर गांव में बीते दिन एक ऐसी घटना घटी जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। स्थानीय निवासी अजय कुमार सिंदर के घर की दीवार लांघकर करीब 15 फीट लंबा विशालकाय किंग कोबरा उनके घर में आकर बैठ गया। अचानक इतने बड़े विषधर सांप को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई और लोग घरों से बाहर निकल आए।

घटना की जानकारी तत्काल वन विभाग और नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी की टीम को दी गई। सूचना मिलते ही रेस्क्यूअर जितेंद्र सारथी ने मामले की जानकारी डीएफओ श्री कुमार

निशांत को दी। उनके निर्देश और एसडीओ श्री आशीष खेलवार के मार्गदर्शन में जितेंद्र सारथी अपनी टीम के साथ तुरंत उस स्थान के लिए रवाना हुए। गांव पहुंचने के बाद सबसे पहले ग्रामीणों को सुरक्षित दूरी पर किया गया और फिर तय प्रोटोकॉल के तहत रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया।

करीब एक से डेढ़ घंटे तक चले इस रेस्क्यू ऑपरेशन में किंग कोबरा ने बार-बार फुफकार कर अपना रौद्र रूप दिखाया। सांप के इस व्यवहार को देख ग्रामीणों की सांसें थम गईं। हालांकि धैर्यपूर्वक और सावधानी से काम करते हुए आखिरकार टीम ने किंग कोबरा को सुरक्षित थैले में डालने में सफलता प्राप्त की। सफल रेस्क्यू के बाद गांव और घर के लोगों ने राहत की सांस ली। रेस्क्यू के बाद नियमानुसार पंचनामा तैयार किया गया और फिर किंग कोबरा को उसके प्राकृतिक आवास क्षेत्र में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया। इस पूरे अभियान में पासरखेत वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री देवदत्त खांडे, श्री साकेत कुमार कौशिक, श्री सिद्धांत जैन, श्री बबलू मारुवा, श्री कैलाश राठिया, श्री संतोष कुमार यादव, श्री खगेश यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

डीएफओ कुमार निशांत ने आम जनों से अपिल किया है की किंग कोबरा, जिसे स्थानीय भाषा में पहाड़ चित्ती भी कहा जाता है, वन्यप्राणी (संरक्षण) अधिनियम-1972 के अनुसार वर्ग- प् में रखा गया है अर्थात् इस जीव को छेड़ने, मारने या किसी भी तरह से नुकसान पहुँचाना अपराध कि श्रेणी में आता है, अतः जब भी आप के घरों के आस पास किंग कोबरा या अन्य कोई सांप दिखाई दे तो वन विभाग को सूचना दे या टोल फ्री नंबर 8817534455 पर सूचना दे। दुनिया का सबसे लंबा विषधर सांप है। इसकी लंबाई 20 फीट तक या इससे भी ज्यादा हो सकती है। यह अन्य सांपों को खाकर जीवित रहता और उनकी जनसंख्या नियंत्रित करता है और विश्व का एकमात्र सांप है जिसकी मादा अपने अंडों के लिए पत्तो का घोंसला बनाती है और लगभग 3 माह तक उस घोंसले की रक्षा करती है। यह विशेषता इसके मातृत्व की अनोखी प्रवृत्ति को दर्शाती है।

किसान समृद्ध होंगे तो देश खुशहाल होगा: कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विदेश दौरे से लौटेंगे, एयरपोर्ट पर होगा स्वागत

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने 10 दिवसीय विदेश दौरे के समापन के बाद कल, 30 अगस्त को रायपुर लौटने वाले हैं। उनकी वापसी पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत की तैयारियां की जा रही हैं। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर रायपुर शहर जिला भाजपा ने जोरदार स्वागत कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है। इसको लेकर गुरुवार को रायपुर शहर जिला भाजपा की एक तैयारी बैठक आयोजित हुई, जिसमें सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल और जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर विशेष रूप से मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है। भाजपा की योजना मुख्यमंत्री के स्वागत में एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री निवास तक रैली निकालने की है, जिसमें वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने विदेश दौरे के दौरान जापान और दक्षिण कोरिया का भ्रमण किया। जापान के ओसाका में उन्होंने वर्ल्ड एक्सपो में भाग लिया और वहां उद्योगपतियों से मुलाकात की। वहीं, दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में उन्होंने देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन के चेयरमैन जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट किम की ह्यून से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में निवेश के अवसरों पर चर्चा की।

ईवी चार्जिंग मैन्युफैक्चरिंग, रेलवे अधोसंरचना और तकनीकी हस्तांतरण से राज्य की स्वच्छ ऊर्जा व लॉजिस्टिक्स क्षमता को मिलेगी नई गति :साय

रायपुर। ईवी चार्जिंग मैन्युफैक्चरिंग, रेलवे अधोसंरचना और तकनीकी हस्तांतरण से राज्य की स्वच्छ ऊर्जा व लॉजिस्टिक्स क्षमता को मिलेगी नई गति मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान ग्रीन मोबिलिटी सॉल्यूशंस की अग्रणी कंपनी स्न्श्चस्त्रद्गह्ल्ठ्ठञ्जद्गष्द्ध ष्टश्चह्ल्ब. और रेल रखरखाव समाधानों की प्रमुख कोरियाई कंपनी ह्य्श्चष्टह्लक्रद्धरु को छत्तीसगढ़ में निवेश और सहयोग के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना, सतत परिवहन अधोसंरचना का निर्माण करना और रेलवे नेटवर्क को मज़बूत बनाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन दोनों कंपनियों के साथ साझेदारी से छत्तीसगढ़ की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा और लॉजिस्टिक्स बैकबोन को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ग्रीन मोबिलिटी सॉल्यूशंस की अग्रणी कंपनी स्न्श्चस्त्रद्गह्ल्ठ्ठञ्जद्गष्द्ध ष्टश्चह्ल्ब. को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित कर कंपनी को प्रदेश में अत्याधुनिक ईवी चार्जिंग मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव देते हुए कहा कि यह परियोजना राज्य को स्वच्छ ऊर्जा और सतत परिवहन अधोसंरचना के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीति 2024ङ्क30, हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्यों के अनुरूप है। उन्होंने कहा– ÷छत्तीसगढ़ में ईवी चार्जिंग मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना से न केवल स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को बल मिलेगा, बल्कि प्रदेश की जनता को बेहतर और आधुनिक परिवहन अवसंरचना भी उपलब्ध होगी। यह पहल भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण का उपहार देने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।÷उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि इस निवेश से स्थानीय युवाओं के लिए व्यापक रोज़गार अवसर सृजित होंगे, राज्य में हरित तकनीकी कौशल का विकास होगा और ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में सतत परिवहन नेटवर्क को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि स्न्श्चस्त्रद्गह्ल्ठ्ठञ्जद्गष्द्ध ष्टश्चह्ल्ब. का अनुभव और विशेषज्ञता छत्तीसगढ़ की ऊर्जा संक्रमण यात्रा को तेज़ करेगी।कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर घटक निर्माण इकाइयों को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे छत्तीसगढ़ हरित ऊर्जा के क्षेत्र में एक उभरते हुए राष्ट्रीय हब के रूप में स्थापित होगा।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्न्श्चस्त्रद्गह्ल्ठ्ठञ्जद्गष्द्ध ष्टश्चह्ल्ब. के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि ÷प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाया गया है, ताकि निवेशक बिना किसी बाधा के अपने प्रोजेक्ट को शीघ्रता से क्रियान्वित कर सकें।÷

खेलों में भी हासिल करना है 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' का दर्जा : श्री अरुण साव

राष्ट्रीय खेल दिवस आयोजन में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

'हर गली हर मैदान, खेले सारा हिंदुस्तान' के नारे से गूंजा ऑडिटोरियम

रायपुर प्रीमियर लीग का होगा आयोजन, श्री साव ने की घोषणा

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय खेल दिवस के आयोजन में शामिल हुए। 'हॉकी के जादूगर' के नाम से मशहूर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर पूरे देश में आज राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनका पुण्य स्मरण किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस पर विविध आयोजनों के बीच उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के आह्वान पर खिलाड़ियों ने 'हर गली हर मैदान, खेले सारा हिंदुस्तान' के जोरदार नारे से पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम को गूंजा दिया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में रायपुर प्रीमियर लीग के आयोजन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सभी संभागीय मुख्यालयों में इसके आयोजन के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने ऑडिटोरियम में मौजूद सभी लोगों को फिट रहने के लिए मैदान पर जाकर खेल खेलने और इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित करने की शपथ दिलाई। श्री साव और अन्य अतिथियों ने राज्य में खेल आयोजनों, खेल अलंकरण, युवा महोत्सव, खेल की सुविधाओं तथा खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हॉकी खिलाड़ी श्री मृणाल चौबे, बैडमिंटन खिलाड़ी श्री श्रेयांश जायसवाल, फुटबाल खिलाड़ी सुश्री किरण पिस्दा और आईपीएल क्रिकेटर श्री शशांक सिंह भी राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल के मैदान में पूरे मनोयोग से उतरें, पूरे जोश और जज्बे के साथ खेलें। मैदान पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को मान-सम्मान, करियर, नौकरी, धन सभी प्राप्त होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल की नई तकनीकों और उपकरणों से अपडेट रहने तथा अपनी फिटनेस व खेल सुधारने के लिए इनका उपयोग करने को कहा। उन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि खेल के क्षेत्र में भी पूरा देश 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' कहे, इसके लिए मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दें।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि खिलाड़ियों को जज्बे और जुनून से परिपूर्ण होना चाहिए। राज्य सरकार और केंद्र सरकार 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' के माध्यम से खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्कूलों और छात्रावासों से समन्वय बनाकर खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारकर उन्हें निचले स्तर से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की योजना है। श्री साव ने कहा कि फिट रहने के लिए हर व्यक्ति को रोज कम से कम एक घंटा कोई न कोई खेल खेलना चाहिए।

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ रहने के लिए खेलना जरूरी है। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों के बच्चों को मैदान में खेलने के लिए उतरने को कहा। खेलना, इनाम और पदक जीतने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। श्री अग्रवाल ने बताया कि 'फिट इंडिया' मुहिम के तहत सभी सांसदों को खेलों का आयोजन करना है। वे इस आयोजन में रायपुर और बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के दस हजार खिलाड़ियों को शामिल करने जा रहे हैं। इसके तहत 12 खेल होंगे। विकासखंड स्तर पर होने वाले इन आयोजनों में स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम में 21 सितम्बर से 25 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले 'सांसद खेल महोत्स'व का लोगो भी जारी किया गया। खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस हम सबको खेलने और फिट रहने के लिए प्रेरित करता है।

सीमांकन कार्य में बाधा डालने पर सरपंच सहित कई लोगों पर मामला दर्ज

रायपुर । लोकशक्ति। मंदिरहसौद थाना क्षेत्र में सीमांकन कार्य में बाधा डालने के आरोप में पुलिस ने सरपंच सहित कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना 25 अगस्त को दोपहर के समय गोढ़ी स्थित रिम्स अस्पताल के पास की है, जहां राजस्व विभाग की टीम सीमांकन प्रक्रिया में जुटी थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पटवारी अंजन मिश्रा की शिकायत पर गोपाल धीवर, मोनू बैस, डिकेश बैस सहित अन्य ग्रामीणों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने और कानून व्यवस्था भंग करने की कोशिश के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, राजस्व न्यायालय के निर्देश पर भूमि सीमांकन के लिए एक विशेष टीम गठित की गई थी। इसमें राजस्व निरीक्षक (आरआई) आर. के. साहू, तुलसीराम बंजारे, भुवनेश्वर वर्मा और पटवारी अंजन कुमार मिश्रा, ओम प्रकाश देवांगन, रसानंद बारिक, राजीव पटेल, अजय चंदेल, वीणा वर्मा शामिल थे। टीम दोपहर एक बजे सीमांकन कार्य के लिए मौके पर पहुंची थी। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोग वहां आए और कार्य में बाधा पहुंचाने की कोशिश की। स्थिति को देखते हुए तहसीलदार विनोद साहू ने मौके पर पहुंचकर उपस्थित लोगों को समझाइश दी, लेकिन विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई।

बालिका सुरक्षा माह के अंतर्गत प्रदेशभर में चल रहा जागरूकता अभियान

रायपुर। लोकशक्ति। छत्तीसगढ़ में बालिका सुरक्षा माह के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेशभर के विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बालिकाओं को बाल संरक्षण कानून, सुरक्षा उपायों और विभिन्न योजनाओं की जानकारी देना है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा चलाई जा रही इस पहल के तहत सूरजपुर जिले सहित सभी विकासखंडों में जागरूकता अभियान चलाया गया। आज हायर सेकेंडरी स्कूल सोनगरा प्रतापपुर में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, बाल श्रम, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्पॉन्सरशिप योजना, नशा मुक्ति योजना, किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो एक्ट और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की विस्तृत जानकारी दी गई।विशेषज्ञों ने बताया कि अल्पायु में विवाह से बालिकाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर बढ़ती है और कुपोषण की समस्या गहराती है। साथ ही सोशल मीडिया के दुरुपयोग से जुड़ी आपराधिक गतिविधियों जैसे लैंगिक शोषण, मानव तस्करी और अंग तस्करी के खतरों से भी छात्राओं को सचेत किया गया।इन कार्यक्रमों में जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल, संरक्षण अधिकारी सुश्री प्रियंका सिंह और प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों ने छात्राओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी। सूरजपुर जिले के भैयाथान, प्रेमनगर, ओड़गी और रामानुजनगर सहित अन्य विकासखंडों में भी इसी प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए।बालिका सुरक्षा माह के इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को जागरूक, आत्मविश्वासी और सुरक्षित बनाना है, ताकि वे हर परिस्थिति में अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें।

डकैती और फरारी के आरोपी धनी राम घृतलहरे गिरफ्तार

रायपुर । रायपुर और महासमुंद जिले में डकैती, लूट और दो बार पुलिस हिरासत से भागने जैसे गंभीर मामलों में वांछित आरोपी धनी राम घृतलहरे को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चार वर्षों से फरार चल रहे इस आरोपी की गिरफ़्तारी एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और गोलबाजार थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में की गई। 30 वर्षीय धनी राम, टेकारी मोड़ (दलदलसिवनी), ब्लॉक-12, पीएम आवास का निवासी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसके खिलाफ डकैती, लूट और पुलिस अभिरक्षा से फरारी के पांच आपराधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। आरोपी पर न्यायालय द्वारा स्थायी वारंट जारी किया गया था और उस पर नकद इनाम की भी घोषणा की गई थी।धनी राम पहली बार 19 मई 2021 को डीकेएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, रायपुर से इलाज के दौरान फरार हुआ था।

पेट्रोल पंप एसोसिएशन 1 सितम्बर से शुरू करेगा अभियान

रायपुर। रायपुर पेट्रोल पंप एसोसिएशन आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्वतः आगे आकर ÷नो हेलमेट नो पेट्रोल÷ का अभियान जिले में शुरू करने जा रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अखिल धगट के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आज उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह को ज्ञापन सौंपा।

श्री धगट ने कहा कि रायपुर में पिछले कई दिनों से सड़क दुर्घटनाओं में लोगों के गंभीर रूप से घायल और कुछ मामलों में मौत की अत्यंत दुखद खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं में गौर करने लायक बात है कि अधिकतर दो-पहिया वाहन चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिसके कारण दुर्घटना होने पर उन्हें सर में चोट लगी।

श्री धगट ने कहा कि इसे देखते हुए एसोसिएशन की बैठक में सामाजिक हित में ÷नो हेलमेट नो पेट्रोल÷ अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। आगामी 1 सितम्बर से यह अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान के तहत हेलमेट पहनने वाले वाहन चालकों को ही पंप पर पेट्रोल दिया जाएगा। श्री धगट ने जनहितकारी इस सामाजिक कार्य में शासन-प्रशासन से सहयोग का आग्रह किया है।

जनजातीय क्षेत्रों में योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सामूहिक सहभागिता जरूरी : पर्यटन

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत सरगुजा में जिला स्तरीय उन्मुखी कार्यक्रम सम्पन्न

रायपुर। लोकशक्ति। पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए आदि कर्मयोगी अभियान जनजातीय क्षेत्रों के लिए एक परिवर्तनकारी राष्ट्रीय आंदोलन है। यह अभियान सब का साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास के ध्येय को लेकर शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के जनजाति क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं, केन्द्र और राज्य सरकार के कार्यक्रमों को और बेहतर ढंग से क्रियान्वयन के लिए सामूहिक सहभागिता आवश्यक है। श्री अग्रवाल आज अम्बिकापुर में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य अनुसूचित जनजाति समुदायों से जुड़े सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनजातीय क्षेत्रों में प्रभावी एवं उत्तरदायित्वपूर्ण सेवा प्रदान करने हेतु प्रेरित करना और उन्हें सुशासन, नैतिकता एवं उत्तरदायित्व की दिशा में प्रशिक्षित करना है, जिससे जनजातीय परिवारों को केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों से लाभान्वित किया जा सके। लुण्ड्रा विधायक श्री प्रमोद मिंज ने कहा कि यह नई योजना जनजातीय समुदाय के लिए नई उम्मीदें और सपने लेकर आई है। उन्होंने कहा कि बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति तभी संभव है जब सभी लोग सामुदायिक प्रयासों से मिलकर कार्य करें।कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने आदि कर्मयोगी अभियान को उपयोगी बताते हुए कहा कि यदि हम आज बेहतर कार्य करेंगे तो आने वाला समय भी उज्ज्वल होगा। उन्होंने सभी विभागों और जनप्रतिनिधियों से परस्पर समन्वय स्थापित कर योजना को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल अधिकारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि जनजातीय समुदायों की संस्कृति, अधिकारों और आवश्यकताओं को समझने की एक संवेदनशील पहल भी है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव सहित जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। उन्मुखीकरण कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि सरगुजा जिले में कुल 416 आदिवासी बहुल ग्राम चिन्हित किए गए हैं, जहां लगभग 8320 ग्राम स्तर पर चेंज लीडर कैडर तैयार किए जाएंगे। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान 2024-25 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा 50 प्रतिशत या 500 से अधिक आदिवासी जनसंख्या वाले ग्रामों को प्राथमिकता से चुना गया है। इनमें अंबिकापुर ब्लॉक के 66, लुण्ड्रा के 85, बतौली के 49, सीतापुर के 43, मैनपाट के 39, लखनपुर के 87 और उदयपुर ब्लॉक के 47 ग्राम सम्मिलित हैं। इन सभी 416 ग्रामों में योजनाओं का क्रियान्वयन सामूहिक प्रयासों और सहभागिता के माध्यम से किया जाएगा।

कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन से मुख्यमंत्री साय की सार्थक मुलाकात

रायपुर । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सियोल में दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े व्यापार संगठन कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन (चद्धञ्ज) के चेयरमैन श्री जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट श्री किम की ह्यून से मुलाकात की। 77,000 से अधिक सदस्यों वाला यह संगठन एशिया का अग्रणी व्यापारिक मंच है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति 2024ङ्क30, प्राकृतिक संसाधनों और कुशल मानव संसाधन की ताकत को रेखांकित करते हुए निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और स्किलिंग के क्षेत्र में संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दक्षिण कोरिया के साथ हमारे संबंध केवल व्यापारिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भी हैं। आज के इस संवाद से छत्तीसगढ़ और कोरिया के बीच निवेश, तकनीकी सहयोग और कौशल विकास के नए द्वार खुलेंगे। इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं को आधुनिक उद्योगों में अवसर प्राप्त होंगे और प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार निवेशकों को सुगम वातावरण, त्वरित स्वीकृतियाँ और आवश्यक आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि चद्धञ्ज के साथ यह सहयोग छत्तीसगढ़ को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा।

बैठक के दौरान चद्धञ्ज के चेयरमैन श्री जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट श्री किम की ह्यून ने भी छत्तीसगढ़ की निवेश-अनुकूल नीतियों और संसाधनों में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोरियाई कंपनियाँ छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं और आने वाले समय में साझेदारी के ठोस कदम उठाए जाएंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)